राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 07 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–375 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वर कोकिला लता मंगेशकर का मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

पंचतत्व में विलीन हुई लता मंगेशकर, अंतिम यात्रा पर फैंस का उमड़ा जनसैलाब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,रविवार सुबह भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन के बाद से पूरा देश सदमे में है। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्तपाल में कोरोना संक्रमण से जंग लड़ते हुए 92 साल की उम्र में लता मंगेशकर का रविवार सुबह निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार रविवार शाम साढ़े छह बजे मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया. उनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर के बेटे आदिनाथ ने मुखाग्नि दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी स्वर कोकिला के अंतिम दर्शन के लिए शिवाजी पार्क पहुंचें और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लता मंगेशकर के निधन पर दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है. इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. वहीं महाराष्ट्र सरकार ने आज सोमवार को राज्य में सार्वजानिक अवकाश की घोषणा की है.

कि पिछले 29 दिनों से लता मंगेशकर ब्रीच कैंडी अस्तपाल में भर्ती थीं और उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी. पार्थिव देह दोपहर 1.10 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल से उनके घर पहुंची थी जहां राजनीतिक, सामाजिक तथा बॉलीवुड जगत की तमाम हस्तियां पहुंची और उनके अंतिम दर्शन किये. बाद में लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार के लिए उनके पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान प्रभुकुंज से लेकर शिवाजी पार्क ले जाया गया. इस दौरान उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों की भीड़ जुटी. लता मंगेशकर के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर उनके घर से कार तक सैन्य अधिकारी ले गए और फिर आर्मी, नेवी, एयरफोर्स और महाराष्ट्र पुलिस के जवानों ने उनकी अर्थी को कंधा दिया। पुलिस और सेना ने लता मंगेशकर को औपचारिक सलामी दी और एक बैंड ने राष्ट्रगान बजाया. उनका पार्थिव शरीर फूलों से सजे सेना के ट्रक में रखकर शिवाजी पार्क ले जाया गया।

ट्रक में पार्थिव शरीर के साथ मंगेशकर की बहन और नामी गायिका आशा भोसले सहित उनके परिवार के कुछ सदस्य थे. इस मौके पर महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे. सेना, पुलिस जीप की सुरक्षा में ट्रक हाजी अली जंक्शन, वर्ली नाका, पोद्दार अस्पताल चौक, पुराना पासपोर्ट कार्यालय, सिद्धिविनायक मंदिर, कैडल रोड से होते हुए दादर के शिवाजी पार्क पहुंचा। मुंबई के हजारों लोग लता ताई को अंतिम विदाई देने सड़कों पर उतर आए। उधर शिवाजी पार्क में उनके अंतिम दर्शन के लिए लोग दो घंटे पहले से कतार में लगे हुए थे। अंतिम दर्शन के लिए लता मंगेशकर का पार्थिव शरीर कुछ समय के लिए शिवाजी पार्क में रखा गया। अंतिम संस्कार के वक्तशिवाजी पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, मंत्री छगन भुजबल, मंत्री सुभाष देसाई, मंत्री आदित्य ठाकरे, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर, अभिनेता शाहरुख खान, दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंडुलकर समेत विभिन्न क्षेत्रों से कई दिग्गज हस्तियां मौजूद रही.

–राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई,भतीजे ने दी मुखाग्नि
–प्रधानमंत्री मोदी ने भी किये अंतिम दर्शन

– भारतीय संगीत की दुनिया में एक खालीपन जिसे भरना अब काफी मुश्किल

बहरहाल लता मंगेशकर के निधन से भारतीय संगीत की दुनिया में एक खालीपन आ गया है, जिसे भरना अब काफी मुश्किल है.

कि भारत की कोकिला के रूप में जानी जाने वाली लता मंगेशकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मिल चुका है। उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अलग–अलग भाषाओं में 30,000 से अधिक गाने गाए हैं। 1942 में 13 साल की उम्र में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,देश की मशहूर गायिका स्वर कोकिला लता मंगेशकर का रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका पार्थिव शरीर तिरंगे से लपेटा गया और सशत्र सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी। अंतिम संस्कार में पीएम मोदी भी मौजूद रहे और उन्होंने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके साथ ही क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, शाहरुख खान समेत तमाम हस्तियां भी अंतिस संस्कार में शामिल हुईं। लताजी का रविवार सुबह 92 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनके निधन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर देश–विदेश के लोग श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

लता मंगेशकर में जनवरी को कोरोना संक्रमित हो गयीं थीं। जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। करीब एक महीने से वह ढ्ढष्ट में लाइफ सपोर्ट पर थीं। 6 फरवरी को उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस लीं। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने देश में दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। जिसके चलते देशभर में राष्ट्रध्वज आधा झुका रहेगा।

लताजी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त करते हुए ट्विटर पर लिखा, "मैं शब्दों की पीड़ा से परे हूं। दयालु लता दीदी हमें छोड़कर चली गईं। लता दीदी के जाने से देश में एक ऐसा खालीपन हुआ है, जिसे भरा नहीं जा सकता है। आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति के एक दिग्गज के रूप में याद रखेंगी, जिनकी सुरीली आवाज में लोगों को मंत्रमुग्ध करने की अद्भुत क्षमता थी।"

लता मंगेशकर के निधन से शोक में डूबा महाराष्ट्र, राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुंबई,भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन से महाराष्ट्र समेत पूरा देश शोक में डूब गया है. लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने आज सोमवार को राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई है. इस संबंध में जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार, 6 फरवरी को दुखद निधन हो गया और उनके निधन से संगीत और कला जगत को भारी क्षति हुई है। इस महान गायिका को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार 7 फरवरी को राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा रहा है।

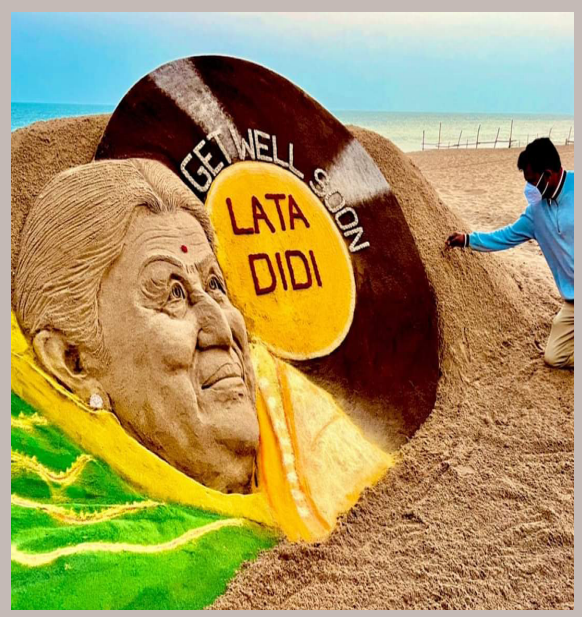

आपको बता दें कि भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार सुबह मुंबई के ब्रीच केंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पिछले 29 दिनों से वह ब्रीच कैंडी अस्तपाल में भर्ती थीं और उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

बुद्धिमता की पुस्तक में ईमानदारी सबसे पहला अध्याय है - अज्ञात

संपादकीय

सीमा सुरक्षा संरचना

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन जिस तरह निर्माण कार्यों के जरिये भारत के लिये नित नयी चुनौती पैदा कर रहा है, लगता है उसके मुकाबले के लिये केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। इसकी बानगी हाल ही में वर्ष 2022-23 के बजट भाषण में घोषित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में मिलती है, जिसमें भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लगते इलाकों में अवसंरचना को विस्तार देने को प्रतिबद्ध है। इस योजना में सरकार विरल आबादी व सीमित संपर्क वाले अविकसित गांवों में संरचनात्मक विकास को गति देगी। दरअसल, चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे निर्जन इलाकों में निर्माण कार्य करके क्षेत्र में अपना दखल लगातार बढ़ा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से पूर्वी लद्दाख में चल रहे गतिरोध के बीच चीन नई बस्तियां बनाने में जुटा है, जिसका लक्ष्य भारत के लिये सामरिक चुनौती पैदा करके भारतीय संप्रभुता को चुनौती देना भी है। चीन इन इलाकों में सड़कों का जाल बिछा रहा है और अन्य सुविधाओं को विस्तार देता रहा है। पिछले दिनों अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया था कि चीन ने पिछले साल अपने तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र और भारत के अरुणाचल प्रदेश के बीच विवादित क्षेत्र के भीतर एक सौ घरों वाले एक गांव का निर्माण कर दिया है, जिसको लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हुआ था। इतना ही नहीं, बीजिंग पैंगोंग त्सो झील पर एक पुल का निर्माण भी तेजी से कर रहा है, जिसका मकसद झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के बीच सैनिकों की तेज आवाजाही को सुगम बनाना है। वहीं चीन सीमा पर जारी गतिरोध को खत्म करने के मूड में नजर नहीं आता। बीते साल अक्तूबर और इस साल जनवरी में कमांडर स्तरीय तेरहवें और चौदहवें दौर की वार्ता के बावजूद गतिरोध का न टूटना चीन के खतरनाक मंसूबों को दर्शाता है। अरुणाचल प्रदेश के भौगोलिक स्थलों व शहरों के चीनी नामकरण उसके खतरनाक मंसूबों को ही बताता है। बहरहाल, बातचीत के सार्थक निष्कर्ष सामने न आने और चीन के अड़ियल रवैये के चलते भारत ने भी चीन को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि देश अब चीन द्वारा दरपेश चुनौतियों के मुकाबले के लिये दीर्घकालिक नीतियों पर चलेगा। चीन की इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये बजट प्रावधानों में सीमा सड़क संगठन यानी बीआरओ का पूंजी बजट ढाई हजार करोड़ से बढ़ाकर 3500 करोड़ कर दिया गया। निस्संदेह बजट में धनराशि में वृद्धि से सीमा सड़क संगठन को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजनाओं के काम में तेजी लाने में मदद मिलेगी। भारतीय सैनिकों की तेजी से वास्तविक नियंत्रण रेखा तक पहुंच बनाने के लिये सड़कों का विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में चीन की सीमा से लगे अरुणाचल के सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तवांग में सेला सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। निस्संदेह, दूरदराज के इलाके में बुनियादी ढांचे के विकास से स्थानीय निवासियों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। उनमें भी संदेश जायेगा कि देश उनकी सुरक्षा के प्रति चिंतित है। जब उनका विश्वास हासिल होगा तो वे सेना व खुफिया एजेंसियों के लिये आंख व कान का काम कर सकते हैं। हाल ही में अरुणाचल के एक किशोर के चीनी सैनिकों द्वारा अपहरण और उसका उत्पीड़न किये जाने से स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ी हैं, जिसे दूर करने की पहल जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, हालिया आम बजट में केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया की मुहिम के तहत रक्षा क्षेत्र को खासी तरजीह दी है।

आज के कार्टुन

सत्य की ओर

जग्गी वासुदेव

कोई भी नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर आप हर समय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिए नहीं कि नर्क बनाने की संभावना आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति को ज्यादा मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क का फैलाव आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप ऐसा कर सकते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ही। ये सजग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन अगर आप सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में सक्षम है, तो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे कमरे में बैठे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। लेकिन अब आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं, जहां प्रकाश का कोई महत्त्व नहीं है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं जाना चाहता है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही जगह है, उसके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो प्रकाश अड़चन है। तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी भौगोलिक दूरी को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल की तरह है-अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर मुड़ना चाहते हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। आप को लगता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर नहीं, चूजा बाहर आएगा पूरी बात यही है। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, एक पूरी तरह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो प्रतीक चिह्न है, वह सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो बाहर आ रहा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने जिसकी संभावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर आती है। तो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी भी ये काम खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण है। आप खुद को कैसे तोड़ पाएंगे? यह कर सकने के लिए आप के पास आवश्यक साहस नहीं है। मन भले कहे, 'चलो, इसे तोड़ते हैं, एक चूजा बाहर आएगा'। पर नहीं, आप में ये हिम्मत नहीं होगी कि आप इसे खुद तोड़ सकें।

मेरी आवाज ही मेरी पहचान है गर याद रहे

(लता जी को श्रध्दाँजलि स्वरूप) (लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

स्वर कोकिला, स्वर साम्राज्ञी, हर दिल अजीज, सुरों की मलिका, बच्चे, बड़े, बूढ़े हर किसी को अपनी आवाज से गुनगुनाने को मजबूर करने वाली अजीम शख्सियत लता दीदी कहें लता ताई या लता जी नहीं तो लता मंगेशकर कुछ भी कह लें बड़ी ही खामोशी से खामोश हो गईं। जिसने भी सुना सन्न रह गया, हर किसी को अपनी आवाज से सुकून देने वाली जानी-पहचानी और सबसे अलग आवाज की ऐसी विदाई ने हर किसी को गमगीन कर दिया। सचमुच ऐसा लगता है कि एक युग का अंत हो गया है। चीनी घुली वो, मखमली मीठी आवाज जो उम्र के आखिरी मुकाम तक जस की तस बनी रही बल्कि जवाँ होती रही सचमुच किसी वरदान से कम नहीं थी। इससे भी बढ़कर ये कहें कि दुनिया की उन चंद आवाजों में शुमार बल्कि सबसे बड़े लोकतंत्र और दूसरी आबादी वाली देश की ये महान गायिका ऐसी इकलौती हैं जिनके गीत चौबीसों घण्टे, अनवरत बिना रुके दुनिया भर में कहीं न कहीं अपनी मिठास घोलते रहते हैं। सच में लता मंगेशकर ने जो मुकाम हासिल किया वो बेहद बड़ा बल्कि सबसे ऊंचा था जिसके बाद क्या होता है कोई जानता नहीं है और जानने की कोशिश की। अद्वितीय प्रतिभा की धनी लता जी की आवाज में जबरदस्त कशिश थी वो लाजवाब थी, मजाक में ही सही अक्सर इस बात पर भी चर्चाएँ सुनाई देतीं थी उनके गले पर रिसर्च होनी चाहिए।1969 में पद्म भूषण,1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार 1999 में पद्म विभूषण, 2001 में भारत रत्न 2008 में भारत की स्वतंत्रता की 60 वीं वर्षगांठ पर ५वन टाइम अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट५ सम्मान सहित न जाने कितने प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों से सम्मानित लता दीदी भारत की वो अनमोल रत्न थीं जो तीन पीढ़ियों से सारे देश पर अपनी आवाज से राज कर रहीं थीं और कोई नहीं जानता कि कितने सैकड़े बरस तक राज करती रहेंगी। उनकी सौम्यता और प्रतिभा पर सबको बेहद फक्र है। लता जी वो सितारा हैं जो नाशवान शरीर के रूप में भले ही हम से छिन गयी हो लेकिन अनंत में चमकते तारे के रूप में प्रकृति के साथ चमकती, दमकती रहेंगी। सच है कि एक सूरज, एक चाँद और एक ही लता मंगेशकर ने इस धरती पर अपनी आवाज का जादू बिखेरा। कहने को तो हमेशा यह नारा सुनाई देता है कि जब तक सूरज चाँद रहेगा लता दीदी तेरा नाम रहेगा। लेकिन लता जी के लिए यह हकीकत है। उनकी जगह कोई ले पाए यह मुमकिन नहीं और कोई दूसरी लता मंगेशकर दुनिया में आ पाए यह नामुमिकन है। 8 दशकों के अपने संगीत के सफर में लता ताई ने सुरों की वो माला गूथी और सुरों की जो बंदिगी की है वो बानगी है। अपने सुरों से ना सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग को नये आयाम देने वाली बल्कि गायकों की तमाम पीढ़ियों को प्रोत्साहित करने वाली लता जी जन्म 28 सितंबर, 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर में एक मराठी परिवार में जन्मीं। जन्म के साथ उन्हें हेमा नाम दिया गया था लेकिन पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने नाम बदलकर लता रख दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े थे। केवल 5 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय किया और संगीत सीखने लगीं। जाने माने उस्ताद अमानत अली खां से भी शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया लेकिन वो विभाजन में पाकिस्तान चले गए। तब अमानत खां से संगीत शिक्षा लीं। पंडित तुलसीदास शर्मा और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां जैसी जानी मानी शख्सियतों से भी संगीत के गुर सीखे। लता जी का शुरुआती सफर चुनौतियों से भरा हुआ था। बॉलीवुड में 1940 के दशक में प्रवेश के साथ वहाँ नूरजहां, शमशाद बेगम और जोहरा बाई अंबाले वाली जैसी वजनदार आवाजों के सामने उनकी महीन आवाज फीकी लगने लगी। लेकिन तब कौन जानता था कि इसी महीन आवाज की मल्लिका एक दिन दुनिया में अपना वो जादू ऐसा बिखेरेगी कि हर कोई उनकी आवाज का दीवाना भर नहीं बल्कि मुरीद होकर रह जाएगा। तब इसी आवाज के चलते उनके कई मौके बेकार गए क्योंकि उस समय बहुत से फिल्म प्रोड्यूसरों और संगीत निर्देशकों को उनकी बहुत ऊंची और पतली आवाज पर भरोसा नहीं था। 1942 में 13 वर्ष की छोटी सी उम्र में सिर से पिता का साया उठने के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई और एक बेहद कठिन इम्तिहान से गुजरना पड़ा। पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। जहाँ उन्हें फिल्मों में अभिनय से नापसंदगी के बावजूद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाने की मजबूरी में अभिनय करना पड़ा। 1942 में 'कीर्ती हसाल' के लिए अपना पहला गाना गाया जो उनके पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने फिल्म से गाने को हटवा दिया। 1942 से 1948 के बीच लता ने लगभग आठ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया। आखिरकार 7 साल के संघर्ष के बाद वह दौर भी आया जब 1949 में फिल्म 'महल' के गाने 'आयेगा आने वाला ..' के बाद लता मंगेशकर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने मे सफल हुईं। इसके बाद वह राजकपूर की फिल्म 'बरसात' के गाने 'जिया बेकरार है', 'हवा मे उड़ता जाए' जैसे गीत गाने के बाद बॉलीवुड में एक सफल पाश्वगायिका के रूप मे स्थापित हो गईं और फिर उनकी सफलता का परचम जैसे कदम चूमते हुए आसमान की उन ऊंचाइयों पर जा पहुँचा जहाँ पहुंच पाना किसी के लिए भी नामुमकि है। उन्होंने 36 भाषाओं में 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। 1991 में ही गिनीस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने माना था कि वे दुनिया भर में सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई गायिका हैं। लता मंगेशकर को मिले पुरुस्कारों की सूची इतनी बड़ी है कि वह पूरी हो जाए यह भी नामुमकिन सा है। देश-विदेश में संगीत और गायन के क्षेत्र में मिले अनगिनत पुरुस्कारों का अनवरत सा सिलसिला है। उनके पुरुस्कारों को यदि एक जगह संग्रहित किया जाए तो यह भारत की अनमोल विरासत वाला नया म्यूजियम होगा। आगे ऐसा ही हो यह उम्मीद की जा सकती है। नेहरू जी के बारे में जाहिर था कि वो कभी सार्वजनिक तौर पर रोते नहीं दिखे और न किसी को देखना पसंद करते थे। 27 जनवरी 1963 को जब लता मंगेशकर ने राष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की मौजूदगी में नेशनल स्टेडियम में ऐ मेरे वतन के लोगों.... गाना गाया तो नेहरू जी की आंखें छलक गईं। लता ताई को बस एक ही अफसोस ता-उम्र रहा कि रियाज में कभी भी कमीं नहीं करने वाली और बहुत छोटी सी उम्र में जिस शास्त्रीय संगीत को सीखा उससे वो दूर हो गईं। 1942 से 2015 तक के लंबे करियर में 1942 में आई मराठी फिल्म 'पहली मंगलागौर' में गाना गाया। हिंदी फिल्मों में उनकी एंट्री साल 1947 में फिल्म 'आपकी सेवा' के जरिए हुई। उन्होंने 80 साल के सिंगिंग करियर में अब तक 36 भाषाओं में करीब 30 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। साल 2015 में लता जी ने आखिरी बार निखिल कामत की फिल्म 'दुन्नो वाय 2' में गाना गाया था। अजीब दास्तां है ये..., अल्लाह तेरो नाम..., होठों पे ऐसी बात...,कितनी अकेली कितनी तन्हा..., आप की नजरों ने समझा..., मेरा साया..., तस्वीर तेरे दिल में, बिन्दिया चमकेगी...., इन्हीं लोगों ने ले लीना दुपट्टा मेरा..., बीती न बिताई..., रूठे-रूठे पिया.... ऐसे न जाने कितने गीत हैं जिन्हें समेटने में ही कई पुस्तकें भर जाएँगी। यह तो सच है समूची दुनिया में इस वक्त भी लता जी के गीत गुनगुनाए और सुने जा रहे हैं। बस नहीं है तो वो खुद जो अनंत में विलीन होकर भी अपनी मंत्रमुग्ध आवाज को सुन आनन्दित हो रही होंगी और ईश्वर भी इस नायाब कोहिनूर को अपने श्री चरणों में पा चकित तो होगा। शास्वत सत्य है कि लता जी को काल के क्रूर हाथों ने हम से छीन लिया।

कौशल विकास व डिजिटलीकरण को प्राथमिकता

केंद्रीय बजट में शिक्षा/ राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी

शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो राष्ट्र के आर्थिक एवं सांस्कृतिक संवर्धन सहित युवाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करे और साथ-साथ उनको सम्मानजनक जीवनयापन हेतु 21वीं शताब्दी में उपयोगी वैश्विक दक्षताओं से युक्त कर सके। शिक्षा की ऐसी अवधारणा बहु-विषयक, परिणाम-आधारित, व्यापक स्तर पर कौशल, उच्च कौशल एवं नव कौशलों से युक्त, समस्या-समाधान परक शोध एवं नवाचारों के अधिगम माध्यमों से ही साकार हो सकती है। इस हेतु शिक्षण-अधिगम और प्रशिक्षण को गतिशील और प्रासंगिक बनाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी उपलब्ध कराने, शिक्षण प्रणाली को समयानुकूल पुनर्परिभाषित करने, तदनुसार नीति निर्धारण करने एवं शिक्षा के माध्यम से प्रकृति आधारित सतत विकास के आदर्शों को स्थापित कराने में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दायित्व के निर्वहन हेतु वित्तमंत्री द्वारा 1 फ़रवरी, 2022 को संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट में कई नवीन प्रयास किये गए हैं। सर्वप्रथम शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन में विगत वर्षों की तुलना में 11.86 प्रतिशत (2021-22 में रु. 93,224.31 करोड़ की तुलना में 2022-23 में रु. 1,04,278 करोड़) की वृद्धि प्रशंसनीय है। इस आवंटन में उच्च शिक्षा के लिए 40,828 करोड़ भी शामिल है। इसी तरह इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान जैसे अन्य उच्च-शैक्षणिक संस्थानों के आवंटन में भी वृद्धि हुई है। अनुसंधान और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए 218.66 करोड़ रुपये का आवंटन और लगभग 15,000 विद्यालयों को उत्कृष्टता विद्यालय के रूप में अपग्रेड करने हेतु अनुकरणीय योजना के लिए रु. 1,800 करोड़ रुपये का आवंटन संतोषजनक है। ऐसे प्रयास अंततः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित सुधारों को लागू करने में सक्षम बनाएंगे। केंद्रीय बजट में ये प्रयास कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और स्थानीयता के लिए मुखरता नवीन आयामों के रूप में उभरे हैं। निःसंदेह बजट का मुख्य ध्येय वर्तमान शिक्षा प्रणाली में निहित 'उद्योग एवं अकादमिक' के मध्य कौशलों एवं रोजगार के वर्तमान अंतरों को कम करना है। कौशल विकास हेतु बजट में कई नए प्रावधान किये गए हैं। इन प्रावधानों में 150 उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम का संचालन; स्थानीय शहरी संस्थानों में इंजीनियरिंग स्नातकों को एक वर्ष तक के लिए इंटर्नशिप का संचालन, व्यावसायिक निकायों की सहायता से स्वास्थ्य और कौशल विकास मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विशेष ब्रिज कोर्स का संचालन; प्रायोगिक शिक्षा की सुविधा के लिए पीपीपी प्रणाली से मेडिकल कॉलेजों के साथ सहयोग करने के लिए जिला अस्पतालों को व्यवहार्यता गैप फंडिंग, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के तहत रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए डीएनबी/एफएनबी पाठ्यक्रमों हेतु पर्याप्त क्षमता वाले बड़े चिकित्सालयों को जोड़ना; डेश-स्टैक ई-पोर्टल के माध्यम से युवाओं को कौशल, अधिक-कौशल और नवीन कौशलों से सशक्त करना ताकि वे कम लागत पर आजीविका अर्जित कर सकें; स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन-इज़-ए-सर्विस के रूप में ड्रोन पावर का उपयोग; पुलिस विज्ञान, फॉरेंसिक विज्ञान और साइबर फॉरेंसिक आदि के क्षेत्र में दक्षता और कौशल विकास हेतु राष्ट्रीय पुलिस विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना आदि प्रमुख हैं। इन प्रयासों से कौशल विकास के अतिरिक्त युवाओं में नवाचारों के माध्यम से सोचने की क्षमता विकसित होगी। बजट का ध्येय विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजीटल शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक सशक्त डिजीटल पारिस्थितिकी विकसित करने पर भी है। इस सन्दर्भ में डिजीटल विश्वविद्यालय का प्रावधान प्रशंसनीय है। जहां डिजीटल विश्वविद्यालय 2035 तक गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात की प्राप्ति में मदद करेगा, वहीं प्रधानमंत्री ई-विद्या योजना के तहत एक-श्रेणी-एक-टीवी चैनलों की संख्या में वर्तमान 20 से 200 चैनलों तक का विस्तार कक्षा 1-12 के छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी सीखने के अवसर प्रदान करेगा। सरकार का ये प्रयास ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी परिवेश में रहने वाले सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के छात्रों को अधिगम से बेहतर जुड़ाव स्थापित करने और कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप अधिगम में हुए नुकसान की भरपाई करने में सहायक होगा। 'स्टडी इन इंडिया' योजना को सुदृढ़ करना एक ऐसा ही प्रयास है, जो विदेशी छात्रों के लिए भारत को पसंदीदा गंतव्य के रूप में चयन करने में सहायक होगा। साथ ही विदेशी छात्रों को हमारे देश की चिर-पुरातन संस्कृति तथा जीवन मूल्यों को सीखने का अवसर मिलेगा। केंद्र सरकार के इन महत्वपूर्ण प्रयासों का राष्ट्र हित में सदुपयोग करने का दायित्व अब उच्च शिक्षण संस्थानों पर है।

सू-दोकू नवताल -2040

	3						9	1
		6	4					7
	5	9		8	3	2	6	
				9	4	8		
4								6
		5	8	3				
	6	2	3	4		7	5	
1					5	6		
5	7						4	

सू-दोकू -2039 का हल

9	4	6	5	3	2	8	7	1
2	3	1	4	7	8	9	6	5
8	7	5	6	9	1	4	2	3
3	9	8	1	2	7	5	4	6
4	5	7	9	8	6	3	1	2
1	6	2	3	5	4	7	8	9
6	8	9	2	4	5	1	3	7
5	2	4	7	1	3	6	9	8
7	1	3	8	6	9	2	5	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2040

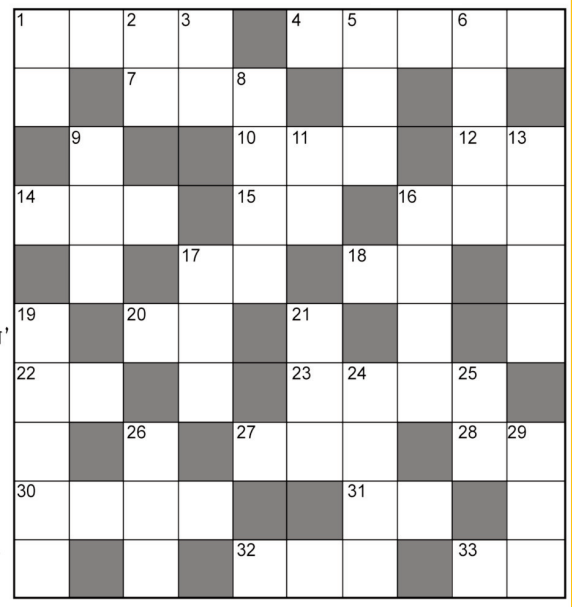

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-4
4. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-2,1,2
7. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-3
10. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-3
12. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है ?-2
14. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
15. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2
16. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-3
17. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-2
18. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
20. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-2
22. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-2
23. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
27. संजीवकुमार, जया की फिल्म-3
28. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-2
30. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-4
31. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-2
32. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3
33. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-2
2. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
5. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-2,2
8. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
9. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-3
11. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-2
13. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-4
16. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-4
17. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-3
19. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-3,2
21. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-3
24. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-2,2
25. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
26. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-3
29. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2039

उ	म्मी	द		छ	लि	या		मे	ला
त्स		डॉ	न		बा	रा	द	री	
व	च	न		वा	स	ना		जं	ग
	र		सौ	दा			आ	ग	
आ	स	रा			पा	की	जा		ग
रा		जा	नू		ल		द	रा	र
ध	र्मा		त	र	की	ब			म
ना		जी	न	त		ना	च		म
		ने		न	ज	र		प्या	सा
खा	न	दो	स्त			स	नी		ला

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से निपटने एडीबी ने बीते साल भारत को दिया रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर का कर्ज

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी से जूझ रहे भारत को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बीते साल यानी 2021 में भारत को रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इनमें से 1.8 अरब डॉलर का कर्ज कोरोना वायरस महामारी की वजह से पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए दिया गया। बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'एडीबी ने 2021 में भारत को 17 ऋणों में रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इनमें से 1.8 अरब डॉलर महामारी से निपटने के उपायों के लिए दिए गए हैं।' कोविड-19 संबंधी सहायता में 1.5 अरब डॉलर टीके की खरीद के लिए और 30 करोड़ डॉलर शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने और देश की भविष्य की महामारी संबंधी तैयारियों के लिए दिए गए। एडीबी नियमित वित्तपोषण कार्यक्रम के तहत भारत को परिवहन, शहरी विकास, वित्त, कृषि और कौशल विकास के लिए कर्ज देता है। एडीबी के भारत में निदेशक ताकियो कोनिशि ने कहा, 'एडीबी भारत सरकार को कोविड-19 से लड़ाई के लिए लगातार समर्थन दे रहा है। इसके अलावा हम भारत को अन्य विकास प्राथमिकताओं मसलन शहरीकरण के प्रबंधन, रोजगार सृजन के लिए औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने, संपर्क में सुधार और कौशल को बेहतर करने के लिए नियमित कर्ज उपलब्ध कराते हैं।'

अडाणी समूह ने मुंबई में डेटा सेंटर स्थापित करने के गठित की इकाई

नई दिल्ली । देश अग्रणी औद्योगिक अडाणी समूह ने मुंबई में एक डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए नई सहायक कंपनी का गठन किया है। कारोबारी गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह ने डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए देश में आधा दर्जन शहरों की पहचान की है, जिसमें मुंबई एक है। अडाणी समूह की फर्म ने शेयर बाजार को बताया कि अडाणी एंटरप्राइजेज और एजकॉनेक्स यूरोप बीवी के 50-50 हिस्सेदारी वाले संयुक्त उद्यम अडाणी कोनेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने चार फरवरी को पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई मुंबई डेटा सेंटर लिमिटेड को गठित किया। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक नई इकाई डेटा केंद्रों, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाओं (आईटीईएस), क्लाउड के विकास, संचालन, रखरखाव से संबंधित सेवाएं देने का कार्य करेगी।

गोल्ड ईटीएफ को बीते साल मिला 4,814 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । ऊंची मुद्रास्फीति तथा बाजार मूल्यांकन बढ़ने की वजह से गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) को बीते साल 2021 में 4,814 करोड़ रुपए का निवेश मिला है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों यह जानकारी मिली है। हालांकि, बीते साल गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह 2020 के 6,657 करोड़ रुपए से कम रहा है। वैश्विक पुनरुद्धार और बेहतर निवेशक धारणा से महामारी के साल की तुलना में 2021 में गोल्ड ईटीएफ के प्रवाह में गिरावट आई है। क्वांटम म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिमी पटेल ने कहा कि महंगाई और फेडरल रिजर्व के रुख की वजह से 2022 में भी गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण कायम रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हालांकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा मौद्रिक नीति को कड़ा करने से डॉलर और अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ेगा, जो सोने के लिए बाधक हो सकता है। 2020 में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह बढ़ने की प्रमुख वजह कोविड-19 महामारी थी। इसके अलावा मौद्रिक रुख में नरमी और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में कमी से भी सोने में निवेश फायदे का सौदा था। बीते साल सिर्फ जुलाई महीने में गोल्ड ईटीएफ से निकासी देखने को मिली। जुलाई में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 61.5 करोड़ रुपए निकाले।

फरवरी में चार सत्रों में भारतीय बाजारों से एफपीआई ने 6,834 करोड़ रुपए की निकासी की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के शेयर बाजार में एफपीआई लगातार चार माह से शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी के पहले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय बाजारों से 6,834 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस दौरान शेयरों से 3,627 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार से 3,173 करोड़ रुपये निकाले हैं। विशेषज्ञों ने कहा, 'अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बेहद नरम मौद्रिक नीति रुख को समाप्त करने का संकेत दिया है। उसके बाद से एफपीआई की बिकवाली काफी तेजी से बढ़ी है।' उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद के बीच वैश्विक स्तर पर बांड प्रतिफल भी बढ़ा है। इसके चलते निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों में निवेश घटा रहे हैं और सोने जैसे निवेश के सुरक्षित पनाहगाह की ओर रुख कर रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर वृद्धि केंद्रित बजट की वजह से निकासी पर कुछ अंकुश लगा है, लेकिन बजट के विदेशी कोषों के प्रवाह पर असर का अनुमान आगामी कुछ सप्ताहों में स्पष्ट हो सकेगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, 'एफपीआई ने बैंक और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली की है। वहीं उन्होंने धातु शेयरों में लिवाली की है।' कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, 'ऊंची मुद्रास्फीति तथा आगामी माह में अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना के चलते शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।'

एसबीआई ने सीसीआई पर लगाया 1.29 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली । प्रतिस्पर्धा आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम के लिए साइनेज की आपूर्ति से जुड़ी बोली की हेराफेरी में सात संस्थाओं व उनके नौ अधिकारियों पर 1.29 करोड़ का जुर्माना लगाया है। जुर्माने के अलावा सीसीआई ने उन्हें प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं से बचने का निर्देश दिया है। इन नौ अधिकारियों पर कुल 54000 रुपए का जुर्माना है। सीसीआई ने 2018 की शिकायत पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह जुर्माना लगाया है। आरोप था कि एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की मार्च 2018 में बोली में अनियमितता हुई थी। जिन सात कंपनियों पर जुर्माना लगा उनमें डायमंड डिस्पले सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एजीएक्स रिटेल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ओपल साइंस प्राइवेट लिमिटेड, अवेरी डेनिसन प्राइवेट लिमिटेड, अपरीश नियोन प्राइवेट लिमिटेड, मैक्रोमीडिया डिजिटल इमेजिंग प्राइवेट लिमिटेड और हिथ इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल है।

एयरटेल अपनी अनुषंगियों के साथ कारोबार में 1.17 लाख करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अपनी अनुषंगियों के साथ कारोबार पर अगले पांच साल में 1.17 लाख करोड़ रुपए का खर्च करने की तैयारी कर रही है। शेयर बाजारों को दी सूचना में एयरटेल ने कहा कि वह अपनी अनुषंगियों इंडस टावर्स, नेक्सट्रा और भारती हेक्साकॉम के साथ कारोबारी लेनदेन में यह राशि खर्च करेगी। कंपनी 26 फरवरी को अपने सदस्यों के साथ असाधारण आम बैठक (ईजीएम) करने जा रही है। इस बैठक में गूगल द्वारा करीब 7,500 करोड़ रुपए में कंपनी की 1.28 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर मंजूरी ली जाएगी। भारती एयरटेल की ओर से जारी ईजीएम नोटिस के अनुसार वह मोबाइल टावर कंपनी इंडस टावर्स के साथ कारोबार पर 88,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा वह नेक्सट्रा की डाटासेंटर सेवाएं लेने के लिए 15,000 करोड़ रुपए और भारती हेक्साकॉम के साथ लेनदेन पर 14,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। जानकारी के मुताबिक भारती एयरटेल अगले चार वित्त वर्षों के दौरान इंडस टावर्स के साथ प्रत्येक साल लेनदेन पर 17,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके अलावा 20,000 करोड़ रुपए वह 2025-26 में खर्च करेगी। कंपनी ने कहा है कि 5जी सेवाओं के लिए उसे ढांचागत सुविधाओं का विस्तार करने की जरूरत होगी। इसलिए उसने 2025-26 में 20,000 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा है।

भारत को 2023 में मिलेगा अपना 'डिजिटल रुपया, इसके साथ जुड़ी होगी 'सरकारी गारंटी'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत को अपनी आधिकारिक डिजिटल मुद्रा 2023 की शुरुआत में मिल सकती है। यह मौजूदा समय में उपलब्ध किसी निजी कंपनी के संचालन वाले इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट जैसी ही होगी, लेकिन इसके साथ 'सरकारी गारंटी' जुड़ी होगी। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि जल्द केंद्रीय बैंक के समर्थन वाला 'डिजिटल रुपया' पेश किया जाएगा। इस सूत्र ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा में भारतीय करेंसी की तरह विशिष्ट अंक होंगे। यह 'फ्लैट' मुद्रा से भिन्न नहीं होगी। यह उसका डिजिटल रूप होगा। एक प्रकार से कह सकते हैं कि यह सरकारी गारंटी वाला डिजिटल वॉलेट होगा। डिजिटल मुद्रा के रूप में जारी इकाइयों को चलन में मौजूद मुद्रा में शामिल किया जाएगा। सूत्र ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि डिजिटल रुपया अगले वित्त वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा। रिजर्व बैंक द्वारा विकसित डिजिटल रुपया ब्लॉकचेन सभी तरह के लेनदेन का पता लगाने में सक्षम होगा। निजी कंपनियों के मोबाइल वॉलेट में फिलहाल यह प्रणाली नहीं है। सूत्र ने इसे समझाते हुए कहा कि निजी कंपनियों के इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट का इस्तेमाल करते हुए लोग अभी पैसा निजी कंपनियों को हस्तांतरित करते हैं। यह पैसा उनके पास रहता है और ये कंपनियां किसी लेनदेन पर ग्राहकों की ओर से मर्चेंट यानी दुकानदारों आदि को भुगतान करती हैं। वहीं डिजिटल रुपए के मामले में लोगों के पास डिजिटल मुद्रा फोन में रहेगी और यह केंद्रीय बैंक के पास होगी। केंद्रीय बैंक के पास से इसे किसी दुकानदार आदि को स्थानांतरित किया जाएगा। इसपर पर पूरी तरह सरकार की गारंटी होगी।

सूत्र ने कहा कि जब पैसा किसी कंपनी के ई-वॉलेट में स्थानांतरित किया जाता है, तो उस कंपनी का क्रेडिट जोखिम भी इस पैसे से जुड़ा होता है। इसके अलावा ये कंपनियां शुल्क भी लगाती हैं। सूत्र ने कहा इस वॉलेट को लेकर चलने के बजाय मैं पैसा अपने फोन में रखना चाहूंगा।

पिछले पांच वर्षों में लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ में आई गिरावट: कौशिक बसु

महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने से विकास दर पर पड़ा असर

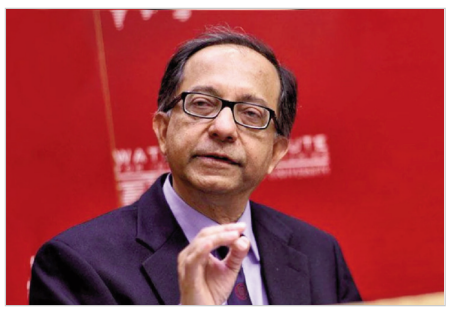

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने एक ट्वीट कर कहा कि पिछले पांच वर्षों से लगातार देश की जीडीपी ग्रोथ रेट में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद से ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। बसु ने कहा कि आंकड़ों को कोई झुठला नहीं सकता। बसु ने ट्वीट में पिछले पांच वित्त वर्ष के देश की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े भी दिए। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2016-17 में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 फीसद रही थी। इसके बाद 2017-18 में यह 7.2 फीसदी, 2018-19 में 6.1 फीसदी, 2019-20 में 4.2 फीसदी और 2020-21 में -7.3 फीसदी रही। उन्होंने कहा कि हर वित्त वर्ष की ग्रोथ रेट पिछले वित्त वर्ष से कम है। दरअसल कोरोना महामारी ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। जिसके चलते इस दौरान देश की विकास दर -7.3 फीसद दर्ज हुई। गौरतलब है कि हाल ही में पेश हुए इकॉनोमिक सर्वे में मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की विकास दर 9.2 फीसद रहने का अनुमान लगाया गया है, जो कि विश्व में सबसे अधिक होगी। सर्वे के अनुसार आर्थिक गतिविधियों के महामारी से पहले के स्तर पर लौट आने के चलते ऐसा होगा। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8 से 8.5 फीसद के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। बसु ने हाल ही में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर भी चेताया था। बसु ने कहा था कि भारत की समग्र वृहद आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन विकास शीर्ष स्तर पर ही केंद्रित है, जो एक चिंताजनक ट्रेंड है। बढ़ी हुई खुदरा महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि देश महंगाई जनित मंदी से जूझ रहा है और इससे निपटने के लिए बहुत सावधानी बरतते हुए नीतिगत फैसले लेने होंगे। बता दें कि बसु इस समय यूएस में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा 2,197 करोड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दोगुना बढ़कर 2,197 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका मुनाफा 1,061 करोड़ रुपए रहा था। बैंक की आय 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान बढ़कर 20,482.26 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 20,407.45 करोड़ रुपए थी। वहीं आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज से आय बढ़कर 17,963 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,496.71 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घटकर 7.25 प्रतिशत पर आ गईं। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 8.48 प्रतिशत पर थी।

बिक्री बुकिंग के लिए सबसे अच्छी रहेगी जनवरी-मार्च की तिमाही : गोदरेज प्रॉपर्टीज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आधारभूत क्षेत्र में कार्यरत निजी क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू तिमाही में रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग होने की उम्मीद जताई है। कंपनी ने कहा है कि मजबूत मांग के बीच और करीब 10 नई आवासीय परियोजनाओं की शुरुआत के चलते उसकी बिक्री बुकिंग 2,632 करोड़ रुपये के पिछले उच्चस्तर को पीछे छोड़ देगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत सभी प्रमुख शहरों में आवास बाजार में मजबूत पुनरुद्धार हुआ है। तीसरी तिमाही में जीपीएल की बिक्री बुकिंग चार फीसदी वृद्धि के साथ 1,541 करोड़ रुपये रही है। हालांकि, कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में प्रदर्शन के मजबूत रहने की उम्मीद जताई। पिरोजशा ने कहा, 'कई नई परियोजनाओं को शुरू करने में देरी हुई। पिछली तिमाही में हम केवल तीन परियोजनाएं शुरू कर पाए, जबकि इस तिमाही में हम दस परियोजनाएं शुरू करेंगे जिससे यह एक अहम तिमाही होगी।' उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू तिमाही में 2,700 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का आंकड़ा भी पार हो जाएगा।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने के दौरान कंपनी ने 4,613 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है।

पिछले हफ्ते जीपीएल ने बताया था कि दिसंबर, 2021 में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ करीब तिगुना होकर 38.95 करोड़ रुपये हो गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 94वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी बने रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर रविवार को लगातार 94वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर रही। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच और 10 रुपए घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपए सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी। देश के चार बड़े महानगरों में रविवार को पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे- दिल्ली पेट्रोल 95.41 रुपए प्रति लीटर, डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 104.67 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.79 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.98रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.14 रुपए प्रति लीटर, और चेन्नई पेट्रोल 101.40 रुपए प्रति लीटर, रुपए प्रति लीटर 91.43 रुपए प्रति लीटर है।

भारतपे ने कहा- प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता बनाए रखी जाए

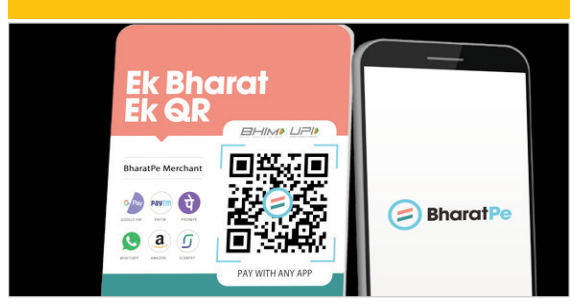

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर ने कहा कि बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर सवाल उठाना और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना पीड़ादायक है। गौरतलब है कि ग्रोवर कथित धोखाधड़ी, अभद्र व्यवहार और कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों पर जांच का सामना कर रहे हैं, जिसके बाद उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया। भारतपे ने कहा कि बोर्ड ने कंपनी के सर्वोत्तम हित में अपने सभी कार्यों में उचित प्रक्रिया का पालन किया है। हम आग्रह करेंगे कि प्रशासनिक समीक्षा और बोर्ड की बैठकों की गोपनीयता और अखंडता को बनाए रखा जाए। ग्रोवर इस समय लंबी छुट्टी पर हैं और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ उनका विवाद सामने आने के बाद भारतपे की स्वतंत्र समीक्षा की जा रही है। ऐसे में कंपनी के कामकाज से जुड़े कई मामले सामने आ सकते हैं। दरअसल जनवरी की शुरुआत में आए एक ऑडियो क्लिप में ग्रोवर कथित तौर पर कोटक महिंद्रा बैंक के एक कर्मचारी को फोन पर धमकाते हुए सुनाई दिए थे। वह नायका के आईपीओ के दौरान शेयर आवंटन में बैंक की तरफ से गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए सुनाई दिए थे। बाद में ग्रोवर ने कथित तौर पर यह कहा कि छुट्टी पर जाने के लिए कंपनी के निवेशकों ने उन पर दबाव बनाया और उनका सीईओ समीर सुहैल पर से भरोसा उठ गया है। भारतपे ने कहा कि हमें इस बात का गहरा दुख है कि भारतपे के बोर्ड या बोर्ड के सदस्यों की ईमानदारी पर बार-बार गलत तथ्यों और निराधार आरोपों के जरिए सवाल उठाए जा रहे हैं। कंपनी ने मीडिया सहित सभी से संयम बरतने का अनुरोध किया।

घरेलू कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार दिखाई दे रहे हैं। सप्ताह के दौरान बाजारों की दिशा रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा और कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार के निवेशकों की निगाह रुपए के उतार-चढ़ाव, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख पर भी रहेगी। विश्लेषकों ने कहा कि महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बीच बाजार भागीदारों की नजर इस सप्ताह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की नीतिगत समीक्षा बैठक पर होगी। इसका बैठक के नतीजें नौ फरवरी को आएंगे। इसके अलावा वृहद आर्थिक मोर्चे पर 11 फरवरी को औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े आने हैं। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, जिंदल स्टील, एसीसी, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा पावर, हिंडाल्को और महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आएंगे। उन्होंने कहा कि बाजारों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जो वैश्विक रुझानों के अनुरूप है। यह निकट भविष्य में भी जारी रह सकता है। सप्ताह के दौरान टीवीएस मोटर कंपनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईआरसीटीसी, एनएमडीसी और सेल भी अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इस हफ्ते घरेलू संकेतक बाजार को दिशा देंगे। सभी की निगाह नौ फरवरी को रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। शुक्रवार को आईआईपी की घोषणा होगी। हालांकि यह आंकड़ा बाजार बंद होने के बाद जारी किया जाएगा।

घरेलू एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत 26 फरवरी से होगी

नई दिल्ली(एजेंसी) ।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 25 टूर्नामेंटों के राष्ट्रीय कैलेंडर को घोषित कर दिया है। घरेलू एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत यहां 26 फरवरी से पहली इंडिया ओपन थ्रो प्रतिस्पर्धा के साथ होगी। इसमें पहली राष्ट्रीय भालाफेंक स्पर्धा सात अगस्त को खेली जायेगी। इसी दिन नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इसे एएफआई ने राष्ट्रीय भालाफेंक दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। वहीं फेडरेशन कप सीनियर राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप कोझिकोड में दो से छह अप्रैल तक खेली जायेगी जबकि अंतर प्रांत सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप चेन्नई में दस से 14 जून तक और राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 15 से 19 अक्टूबर तक जमशेदपुर में होगी।

टीम इंडिया ने जीत के साथ दी दीदी को श्रद्धांजलि, पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया

अहमदाबाद (एजेंसी)।

क्रिकेट को बेहद पसंद करने वाली स्वर कोकिला लता मंगेशकर को टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे मैच में 6 विकेट से हराकर जीत के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने 1000वें मैच में जीत हांसिल कर टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली है। मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने लता मंगरेशकर के सम्मान में 2 मिनट का मौन भी रखा। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। युजवेंद्र चहल ने चार और वाशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिए। जवाब में भारत ने 28 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 60 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव 34 और अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे दीपक हुड्डा 26 रन बनाकर नाबाद रहे। ईशान किशन ने 28 रन की पारी खेली। विराट कोहली फिर फ्लॉप रहे और 8 रन ही बना सके। ऋषभ पंत ने 11 रन बनाए। साधारण टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने एक समय बिना विकेट खोए 84 रन बना लिए थे। लेकिन, अगले 32 रन बनाने में चार विकेट गिर गए। इसके बाद सूर्यकुमार और दीपक ने पांचवें विकेट के लिए 62 रनों की नाबाद साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई।

टॉस हारकर पहले बॉलिंग करने का फैसला भारत के लिए सही रहा। वेस्टइंडीज ने 71 के स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा दिए। शाई होप (8) रन बनाकर मोहम्मद सिराज की गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर ने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग (13) को आउट किया और चार गेंदों के बाद डैरेन ब्रावो (18) को **DRS** पर **LBW** आउट किया। पारी के 20वें ओवर में युजवेंद्र चहल ने लगातार दो गेंदों पर 2 विकेट चटकाए। पहले उन्होंने निकोलस पूरन (18) को **DRS** पर **LBW** आउट किया और अगली ही गेंद पर कप्तान कीरोन पोलार्ड (0) को बोल्ड कर दिया। पूरन को आउट करने के साथ ही चहल ने वनडे में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए। चहल ने अपने अगले ओवर में शमर ब्रूक्स (12) को आउट किया। ये सफलता भी भारत **DRS** पर मिली। दरअसल, अंपायर के नॉटआउट दिए जाने के बाद कप्तान रोहित ने कुछ देर साथी खिलाड़ियों से डिस्कस करने के बाद रिव्यू लिया। रीप्ले में नजर आया कि गेंद बल्ले पर लग कर कीपर के पास गई थी। भारतीय टीम के लिए यह तीसरा रिव्यू था

और तीनों में उन्हें सफलता मिली है। अकील होसेन (0) का विकेट प्रसिद्ध कृष्णा के खाते में आया। एक समय वेस्टइंडीज का स्कोर 79/7 था और ऐसा लग रहा था कि शायद ही टीम 100 रन भी बना पाए, लेकिन 8वें विकेट के लिए जेसन होल्डर और फैबियन एलन ने 91 गेंदों पर 78 रन जोड़कर पारी को संभाल लिया। इस पार्टनरशिप को सुंदर ने एलन (29) को आउट कर तोड़ा। इसके बाद जेसन होल्डर (57) भी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुए।

लता मंगेशकर ने 2011 विश्वकप सेमीफाइनल मैच में भारत की जीत के लिए रखा था निर्जल व्रत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट को लेकर लता मंगेशकर की दीवानगी जगजाहिर है और विश्वकप 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत के लिए उन्होने निर्जल व्रत रखा था। भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर का रविवार को मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैंनें पूरा मैच देखा और मैं काफी तनाव में थी। जब भारतीय टीम खेलती है तो मेरे घर में सभी का कुछ न कुछ टोटका होता है। उन्होंने कहा कि मैंने, मीना और उषा ने सेमीफाइनल के दौरान कुछ खाया पिया नहीं। मैं लगातार भारत की जीत के लिए प्रार्थना कर रही थी और भारत की जीत के बाद ही हमने अन्न जल ग्रहण किया। विश्व कप 1983 फाइनल को याद करते हुए मैं उस समय लंदन में ही थी और मैने कपिल देव और उनकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले डिनर के लिए बुलाया था। मैंनें उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खिताब जीतने के बाद कपिल देव ने मुझे डिनर के लिए बुलाया था। मैंनें जाकर टीम को बधाई दी। सचिन तेंदुलकर को वह अपना बेटा मानती थी और वह भी उन्हें मां सरस्वती कहते थे। यह संयोग की है कि सरस्वती पूजा के अगले दिन ही भारत की सरस्वती का देवलोकगमन हुआ।

हॉकी इंडिया ने जूनियर महिला टीम लिए 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम घोषित किये

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों को देखते हुए जूनियर महिला टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों के नाम घोषित किये हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार इन खिलाड़ियों का चयन बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र पर तीन सप्ताह के अभ्यास शिविर के बाद किया गया। वहीं शुरूआत में 65 खिलाड़ियों का चयन सालाना घरेलू टूर्नामेंटों में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा, ये काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले कुछ सप्ताह में शानदार प्रदर्शन किया है।

संभावित समूह इस प्रकार है:

गोलकीपर : खुशबू, माधुरी किंडो, कुरुपापू रम्या

डिफेंडर : प्रीति, नीलम, ममिता ओराम, महिता टेटे, निशि यादव, संस्कृति सरवन, काजल बारा, मनिता, मंजू चौरसिया

मिडफील्डर : वैष्णवी फाल्के, ज्योति एडुला, ज्योति सिंह, रितिका सिंह, के सोनिया देवी, ज्योति छत्री, अश्विनी कोलेकर, प्रियंका यादव, निकिता टोप्पो, अनीशा साहू, हिना बानो।

फॉरवर्ड : अन्नु, ब्यूटी डुंगडुंग, तरणप्रीत कौर, रूतुजा पिसाल, एम भवानी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, चंदना जे, सदाशिव अटपडकर, आंचल साहू।

चीन ने कोरिया को 3-2 से हराकर नौंवी बार एएफसी महिला एशियाई कप खिताब जीता

नवी मुंबई (एजेंसी)।

चीन ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां नाटकीय फाइनल में कोरिया को 3-2 से शिकस्त देकर रिकॉर्ड नौंवा एएफसी महिला एशियाई कप खिताब अपने नाम किया। कोरिया ने पहले हाफ तक 2-0 से बढ़त बना ली थी और वह पहला खिताब जीतने की ओर बढ़ रही थी। लेकिन चीन ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए तांग जियाली, झांग लिनयान और जियाओ युवी के गोल से डीवाई पाटिल स्टेडियम में नौंवा एएफसी महिला एशियाई कप खिताब अपनी झोली में डाल लिया। चीन और कोरिया के बीच पिछली 7 भिड़ंत में चीन को कभी हार का सामना नहीं करना पड़ा। उसने मैच की शुरूआत तेजी से की और कुछ ही सेंकेंड में विपक्षी के गोल के करीब पहुंची जब वे चेंगशु ने गेंद तांग जियाली के पास पहुंचाई। लेकिन मिडफील्डर का प्रयास कोरियाई गोलकीपर किम जुंग मी ने आसानी से रोक दिया। चीन ने दबाव बनाना जारी रखा जिसमें झांग जिन ने 35 गज की दूरी से एक प्रयास किया जबकि वांग शुआंग का प्रयास गोलकीपर किम ने रोक दिया। फिर कोरिया ने गेंद पर कब्जा करना शुरू किया और उसे फायदा भी मिला जब 27वें मिनट में लीग गेयुम मिन के क्रास पर चो यु रि ने टूर्नामेंट का 100वां गोल दागा।

कोरिया के बढ़त बनाने के बाद चीन की टीम दबाव में आ गई और 30वें मिनट में चीन की गोलकीपर झोऊ यु ने लिम सियोन जू के फ्रीकिक पर किए हेडर प्रयास को रोका। लेकिन पहले हाफ के अंत में वीएआर समीक्षा से याओ लिंगवेई की 'हैंडबॉल' पर कोरिया को एक पेनल्टी प्रदान की गईजिस पर जि सो यून ने दूसरा गोल कर कोरिया को 2-0 से आगे कर दिया। चीन के मुख्य कोच शुई जिंगजिया ने फिर जियाओ युवी को और झांग रूई को दूसरा हाफ शुरू होने के बाद मैदान पर उतारा। पर दूसरे हाफ के शुरू में कोरियाई टीम ने उन्हें मौका नहीं दिया। लेकिन चीन ने ली यंगजु की हैंडबॉल पर पेनल्टी हासिल की और फिर तांग जियाली ने 68वें मिनट पर इसे गोल में तब्दील कर दिया। गोल करने के बाद चीन का मनोबल बढ़ चुका था और चार मिनट बाद उसने कोरियाई के खराब डिफेंस का फायदा उठाया।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई की नीतियों के कारण मिल रही जीत : बीसीसीआई

नॉर्थ साउंड । राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट में जो जीत मिली है। वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की नीतियों का ही परिणाम है। इसके लिए बोर्ड की सराहना की जानी चाहिये। बोर्ड ने जिस प्रकार से युवा प्रतिभाओं को निभाने के लिए ढांचा तैयार किया और बड़ी संख्या में प्रतिस्पर्धी आयु वर्ग के टूर्नामेंट आयोजित किये उससे लाभ मिला है। भारतीय जूनियर टीम ने कोविड-19 संक्रमण के मामले आने के बाद भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के सभी मैच जीते। पूर्व स्टायलिश बल्लेबाज वीवी एस लक्ष्मण ने जीत के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि बीसीसीआई की सराहना की जानी चाहिए। प्रत्येक खिलाड़ी को आयु वर्ग स्तर पर काफी मुकाबले खेलने को मिल रहे हैं, फिर चाहे यह अंडर-16 हो, अंडर-19 या फिर अंडर-23 हालांकि कोविड-19 के कारण उन्हें कोई टूर्नामेंट खेलने को नहीं मिला और यही कारण है कि मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में मिली जीत विशेष है।' लक्ष्मण टूर्नामेंट के लिए टीम के साथ वेस्टइंडीज गये थे। लक्ष्मण ने कहा, 'सबसे पहले चयन समिति को बहुत बहुत बधाई। यह नई चयन समिति है और इस समूह की पहचान करना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। इसके बाद कोचिंग स्टाफ को बधाई, मुख्य कोच के रूप में ऋषिकेश कानिटकर, साई राज, मुनीष और सहयोगी स्टाफ को।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने जिस तरह इस टीम को एकजुट किया, उन्होंने कड़ी मेहनत की, एशिया कप जीता और विश्व कप के लिए तैयारियां शानदार रहीं।' उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआत है अभी और उपलब्धियां हासिल की जानी हैं।

फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 - शिरोव से हरिकृष्णा नें खेला ड्रॉ ,अरोनियन से हारे विदित

बर्लिन,जर्मनी (निकलेश जैन) फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले दिन ही भारत के किसी खिलाड़ी के फीडे कैंडीडेट मे पहुँचने की उम्मीद का झटका लगा है , ग्रुप सी में भारत के नंबर 2 शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती को अपने शुरुआती मुक़ाबले मे विश्व के नंबर 6 खिलाड़ी यूएसए के लेवोन अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा है । जबकि ग्रुप डी मे भारत के नंबर 3 खिलाड़ी और पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन पेंटाला हरिकृष्णा नें स्पेन के अलेक्सी शिरोव से ड्रॉ खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की है । काले मोहरो से खेल रहे विदित नें निमजों इंडियन ओपनिंग मे अच्छी स्थिति हासिल कर ली थी पर वह सभी समय पर इसका फायदा नहीं उठा पाये और 64 चालों मे बेहतर एंडगेम खेलते हुए अरोनियन नें जीत हासिल कर ली । वहीं भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें काले मोहरो से कारो कान ओपनिंग मे पहले दिन कोई भी खतरा ना उठाते हुए 31 चालों मे आसान ड्रॉ खेला । पहले दिन ग्रुप ए में रूस के आन्द्रे एसेपिंकों नें हमवतन अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से ,फ्रांस के ऐटेने बकरोट नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा से बाजी ड्रॉ खेली । ग्रुप बी मे रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव नें हमवतन ओपरिन ग्रीग्रोय को तो पोलैंड के रडास्लाव वोइटसजेक नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट को मात दी , ग्रुप सी में जर्मनी के विन्सेंट केमर नें रूस के डेनियल डुबोव से तो यूएसए के वेसली सो नें हमवतन दोमिंगेज पेरेज से आधा अंक बांटा । प्रत्येक वर्ग के चार खिलाड़ियों में डबल राउंड रॉबिन के छह राउंड के बाद पहले नंबर पर रहने वाले खिलाड़ी को सीधे सेमी फाइनल में प्रवेश मिलेगा ।

सचिन की बल्लेबाजी की मुरीद थी लता मंगेशकर, दोनों के बीच था यह खास रिश्ता

मुंबई(एजेंसी) ।

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर लता मंगेशकर को मां के समान प्यार करते थे और कई बार सचिन ने ये स्वीकार किया कि उन्हें लता मंगेशकर जी में अपनी मां नजर आती हैं। लता जी का 92 वर्ष की उम्र में रविवार को निधन हो गया। सचिन के लिए लता मंगेशकर मां की तरह थीं। इन दोनों के बीच बहुत खास रिश्ता था। लता मंगेशकर ने सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न दिए जाने की वकालत की थी। सचिन ने भी कई बार सार्वजनिक तौर पर लताजी के प्रति अपना सम्मान जाहिर किया था।

सचिन अक्सर कहते थे कि जब वह क्रिकेट की पिच पर खराब दौर से गुजरते थे तब उन्हें लता मंगेशकर से खूब मार्गदर्शन मिला। आज से 12 साल पहले लता मंगेशकर ने कहा था कि मेरे लिए वह असली भारत रत्न हैं। उन्होंने जो देश के लिए किया है वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। वह इस सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हम सबको गर्व महसूस करवाया है। साल 2014 में जब सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया, इससे पहले ही लता ने कई बार उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने की वकालत की। उन्होंने सचिन के साथ अपने रिश्तों के बारे में कहा था कि सचिन मुझे मां की तरह मानते हैं और मैं हमेशा मां की तरह उनके लिए प्रार्थना करती हूं। मैं वह दिन कभी नहीं भूल सकती जब उन्होंने पहली बार मुझे आई (मां) कहा था। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थीं। यह मेरे लिए हैरान करने वाला था और उन जैसा बेटा पाकर मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं। लताजी के पिता दीनानाथ मंगेशकर की पुण्य तिथि और सचिन का जन्मदिन दोनों 24 अप्रैल को होते हैं। लता ने याद करते हुए कहा था कि सचिन का जन्मदिन 24 अप्रैल को होता है और उसी दिन मेरे पिता दीनानाथ मंगेशकर की पुण्य तिथि होती है। जब सचिन तेंदुलकर की बायोपिक -'सचिनः अ बिलियन ड्रीम्स'2017 में रिलीज हुई थीं तब भी सोशल मीडिया के जरिए लता मंगेशकर ने सचिन को शुभकामनाएं दी थी।

100 से ज्यादा एकदिवसीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय लेग स्पिनर बने चहल

अहमदाबाद । युजवेंद्र चहल ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में तीन विकेट लेने के साथ ही अपने 100 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही वह 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय लेग स्पिनर बन बये हैं। इससे पहले केवल अनिल कुंबले के नाम ही एकदिवसीय में 100 से ज्यादा विकेट हैं। चहल ने इस मैच में 3 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। चहल ने अपने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर निकोलस पूरन 18 को आउट किया। इसके साथ उनके 100 विकेट पूरे हुए। इसके बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने कप्तान कायरन पोलार्ड को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर की 5वीं गेंद पर चहल ने शेमराह ब्रुक्स 10 को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। इस मैच के साथ ही चहल ने एक बार फिर लय हासिल की है। चहल 100 विकेट तक पहुंचने वाले भारत के नौवें स्पिनर हैं। कुंबले के नाम भारत की ओर से सबसे अधिक एकदिवसीय विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 269 एकदिवसीय मैच में 334 विकेट लिए हैं. हरभजन सिंह 265 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनो के अलावा अन्य कोई भारतीय स्पिनर 200 विकेट तक नहीं पहुंचा है। रवींद्र जडेजा के नाम 188, सचिन तेंदुलकर के नाम 154, आर अश्विन के नाम 151, रवि शास्त्री 129, युवराज सिंह 110 और कुलदीप यादव के नाम 107 विकेट हैं।

कोच के पद से इस्तीफा देने के बाद बोले लैंगर, कहा- मेरे मूल्यों को कुछ ने बहुत सख्त समझा

मेलबर्न । जस्टिन लैंगर ने कहा कि आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच के कार्यकाल के दौरान मूल्यों के प्रति उनके सम्मान को कुछ लोगों ने 'बहुत कड़ा' समझा। लैंगर को क्रिकेट आस्ट्रेलिया द्वारा संक्षिप्त अनुबंध विस्तार की पेशकश की गई थी जिसे उन्होंने ठुकरा दिया और इस पद से हटने का फैसला किया। लैंगर ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया अधिकारियों से अपने इस्तीफे पत्र में माफी मांगी लेकिन जोर दिया कि वह 'ईमानदारी, सम्मान, भरोसा, सच्चाई और प्रदर्शन' को महत्व देते हैं लेकिन कुछ लोगों ने इसे उनकी कार्यशैली में बहुत सख्ती के रूप में लिया गया होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार लैंगर ने अपने इस्तीफे के पत्र में लिखा कि मेरी जिंदगी ईमानदारी, सम्मान, भरोसा, सच्चाई और प्रदर्शन जैसे मूल्यों पर बनी है और कभी कभार यह ज्यादा सख्त लगती है तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।

यश ढुल बने आईसीसी अंडर-19 'मोस्ट वैल्यूएबल टीम' के कप्तान

नॉर्थ साउंड(एजेंसी) ।

भारत के यश धुल को अंडर-19 विश्व कप की आईसीसी की 'मोस्ट वैल्यूएबल टीम (सर्वश्रेष्ठ टीम)' का कप्तान चुना गया है। 12 खिलाड़ियों की इस टीम में 8 देशों को प्रतिनिधित्व मिला है जिसमें चैंपियन भारत के सबसे ज्यादा तीन खिलाड़ी शामिल है। टीम में तेज गेंदबाज जोश बॉयडेन, अवैस अली और रिपन मंडल को जगह दी गई है जबकि स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी टॉम प्रेस्ट और ड्यूनिथ वेलालेज के अलावा विक्की ओस्तवाल संभाल रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को उनके रिकॉर्ड तोड़ रन के लिए वेस्टइंडीज में खेले गये इस विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। कमेंटेटर सैमुअल बद्री, नताली जर्मनोस, आईसीसी मैच रेफरी ग्रीम लाबरॉय और पत्रकार संदीपन बनर्जी की चयन पैनल ने इस टीम का चयन किया है। प्रतियोगिता में एक शतक की मदद से 229 रन बनाने वाले धुल को बल्लेबाजी क्रम में चौथे क्रम पर रखा गया है। टूर्नामेंट में टीम को चैम्पियन बनाने के दौरान गेंदबाजी में बदलाव और क्षेत्ररक्षण की शानदार जमावट के लिए उन्हें कप्तान चुना गया है। इंग्लैंड के उनके समकक्ष चौथे क्रम के बल्लेबाज टॉम प्रेस्ट को बल्लेबाजी क्रम में उनसे एक स्थान नीचे रखा गया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने छह मैचों में 506 रन बनाकर टूर्नामेंट के इतिहास में 500 से अधिक रन बनाने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बनने के बाद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार प्राप्त किया। इस 18 साल के खिलाड़ी ने भारतीय दिग्गज शिखर धवन के द्वारा टूर्नामेंट के एक सत्र (2004) में बनाये सबसे अधिक रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ब्रेविस ने प्रतियोगिता में 7 विकेट भी लिए। राज बावा एक और हरफनमौला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पूरे विश्व कप में प्रभावित किया है, उन्होंने युगांडा के खिलाफ नाबाद 162 रन बनाकर प्रतियोगिता में 252 रन बनाए। बावा इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए। उन्होंने 31 रन देकर पांच विकेट लेकर मैच पर भारत की पकड़ बनाई। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 9 विकेट चटकाए। इस क्रम में उनके बाद टीम के साथी खिलाड़ी विक्की ओस्तवाल को जगह दी गई हैं। इस वामहस्त गेंदबाज ने छह मैचों में 12 विकेट चटकाए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 28 रन देकर पांच विकेट शामिल थे।

इंग्लैंड के जोश बॉयडेन ने टूर्नामेंट में 3.21 की इकॉनोमी और 9.86 की औसत के साथ 15 विकेट चटकाए। टूर्नामेंट में सात से अधिक विकेट लेने वालों में वह सबसे किफायती गेंदबाज रहे।

क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता का निधन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता त्रिलोक चंद रैना का रविवार को निधन हो गया। वह वो लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने गाजियाबाद में अपने घर में अंतिम सांसें लीं। सुरेश रैना ने भारत के लिए 18 टेस्ट, 226 वनडे के अलावा कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं। रैना का पैतृक गांव जम्मू और कश्मीर के रैनावारी में है हालांकि, 90 के दशक में उनके पिता त्रिलोकचंद परिवार सहित गाजियाबाद के मुरादनगर में बस गए थे। उनके पिता ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में काम करते थे। रैना ने जब क्रिकेट खेलना शुरू किया तो उनके पिता ने ट्रेनिंग पर होने वाले खर्चे को बड़ी मुश्किल से पूरा किया हालांकि पिता की यह परेशानी भी दूर हो गई, जब 1998 में रैना को लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश मिल गया। रैना ने एक साक्षात्कार में अपने पिता के बारे में एक खास बात बताई थी। रैना ने कहा था कि उनके पिता उन सैनिकों के परिवारों की देखभाल करते थे, जिनका निधन हो गया था। वो इन परिवारों की आर्थिक रूप से मदद करते थे और इस बात का ध्यान रखते थे कि उन्हें परेशानी न आये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।

आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमश: आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमश: विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।

प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

भौतिकी जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमश: विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

प्रेम का कमल भक्ति

सपनों का ताना-बाना क्षण भर को रुकता नहीं। उसी सपने के जाल का नाम माया है। उसी सपने के जाल में उलझे तुम परेशान और पीड़ित हो। जो नहीं है उसने तुम्हें अटकाया है। जो नहीं है, उसने तुम्हें भरमाया है। जो नहीं है उसने तुम्हारी आंखें बंद कर दी हैं और जो है उसे देखना मुश्किल हो गया है।

मन के साथ जो चला, वह कभी भगवान तक न पहुंच सकेगा। भगवान यानी जो है, भक्ति यानी जो है, उसे देखने की कला। लेकिन जो है, वह हमें दिखायी क्यों नहीं पड़ता? जो है वह तो हमें सहज दिखायी पड़ना चाहिए। जो है उसे खोजने की जरूरत ही क्यों हो? जो है उसे हम भूले ही क्यों, उसे हम भूले ही कैसे? जो है उसे हमने खोया कैसे? जो है उसे खोया कैसे जा सकता है?

इसलिए पहली बात समझ लेनी जरूरी है, मन का नियम। मन उसी को जानता है जो नहीं है। तुम्हारे पास अगर दस हजार रुपए हैं तो उन दस हजार रुपयों को मन भूल जाता है। मन उन दस लाख रुपयों का चिंतन करता है जो होने चाहिए, पर हैं नहीं। मन अभाव का चिंतन करता है। जो पत्नी उपलब्ध है, मन उसे भूल जाता है। जो स्त्री उपलब्ध नहीं है, मन उसकी कल्पनाएं करता है, योजनाएं बनाता है। जो मिला है, मन उसे देखता ही नहीं। उसी पर नजर रखता है, जो मिला नहीं है। हाथ की असलियत मन को नहीं भाती, स्वप्न के आभास भाते हैं। मन स्वप्न के भोजन पर जीता है। मन जीता ही स्वप्न के सहारे है।

भीतर सपनों का जाल

जब भी आंख बंद करोगे, भीतर सपनों का जाल पाओगे। आंख खोले काम में भी लगे हो, तब भी भीतर उनका सिलसिला जारी रहता है। तब भी पर्त-दर-पर्त सपने घने होते रहते हैं। तुम देखो या न देखो, लेकिन मन सपने बुनता रहता है। मन का

मन में श्रद्धा नहीं

रात तुमने कितनी बार सपने देखे हैं और हर बार जागकर पाया, झूठे थे! लेकिन फिर जब रात आज देखोगे स्वप्न तो देखते समय सच मानोगे। झूठ को सच मानने की तुम्हारी कितनी प्रगाढ़ धारणा है! कितनी बार जागकर भी, कितनी बार देखकर भी कि सपने सुबह झूठ सिद्ध हो जाते हैं, फिर भी जब तुम रात स्वप्न देखोगे तो सच मालूम होगा। लोग कहते हैं, हमारे मन में श्रद्धा नहीं है। हम बड़े संवेदनशील हैं।

निस्तार कैसे होगा

हमारा निस्तार कैसे होगा? मैं कहता हूं, तुम सपनों तक पर श्रद्धा करते हो, सत्य की तो बात ही छोड़ो। तुम सपनों तक पर भरोसा करते हो, उन पर तक तुम्हें अभी सन्देह नहीं आया, तो तुम और किस पर सन्देह करोगे? जो नहीं है, उस पर भी सन्देह नहीं हो पाता, तो जो है उस पर तुम कैसे सन्देह करोगे? जिसने सपने तोड़े, उसके भीतर श्रद्धा का जन्म हुआ। जिसने सपने तोड़े, उसने तब सत्य को जानने का मार्ग साफ कर लिया।

बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।

हृदय से कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र में शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

सार समाचार

पाकिस्तानी तानाशाह जिया-उल-हक भी भारतीय स्वरकोकिला लता मंगेशकर के हो गए थे मुरीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्रूर तानाशाह जनरल मुहम्मद जिया उल हक को अपने देश में महिलाओं की संगीत और अन्य कला प्रस्तुति पर प्रतिबंध लगाने के लिए जाना जाता है, लेकिन वह भी लता मंगेशकर की सुरीली आवाज के जादू से अछूते नहीं रह सके थे और उन्होंने एक बार खुद स्वीकार किया था कि वह भारत की ह्यस्वर कोकिलाह्ल के प्रशंसक हैं। मंगेशकर (92) का रविवार को मुंबई स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया। वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई थीं और उन्हें बीमारी के मामूली लक्षण थे। उन्हें आठ जनवरी को ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टर प्रतीत समदानी और उनकी टीम उनका इलाज कर रही थी। एक पुराने साक्षात्कार के अनुसार 1982 में दिवंगत भारतीय पत्रकार कुलदीप नैयर के साथ बात करते हुए जिया ने मंगेशकर की प्रशंसा की बात स्वीकार की थी। साक्षात्कार के दौरान नैयर ने जिया को यह कहकर ताना मारा कि भारतीय कहते हैं कि जब भी वे किसी सांस्कृतिक दल को पाकिस्तान ले जाना चाहते हैं तो पाकिस्तान में उसका स्वागत नहीं होता। ऐसे ही एक दल में लता मंगेशकर समेत कुछ प्रमुख महिला गायिकाएं शामिल थीं। उस समय पाकिस्तान के इस्लामीकरण की शुरूआत करने वाले जिया ने कहा था, मैं जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मुझे खुद लता मंगेशकर के गीत पसंद हैं, लेकिन अगर आप उन्हें गाने के लिए पाकिस्तान भेजना चाहते हैं, तो मैं अभी इसे मना करुंगा, क्योंकि यह मौजूदा पाकिस्तानी भावना के अनुकूल नहीं है। जिया ने 1977 में जुल्फिकार अली भुट्टो की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ करने के बाद सैन्य तख्तापलट कर सत्ता संभाली थी। उन्होंने अपने चुने हुए न्यायाधीशों के माध्यम से भुट्टो को हत्या के एक मामले में फांसी की सजा दिलवाई थी। जिया ने पाकिस्तान के इस्लामीकरण की अपनी योजना के दौरान इस्लाम के नाम पर कई पाबंदियां लगाई थी, जिसमें महिला कलाकारों की प्रस्तुति पर पाबंदी भी शामिल थी। वह 1978 में पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष बने थे और 1988 में विमान दुर्घटना में मारे जाने तक इस पद पर रहे थे।

उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए अमेरिका को और कदम उठाने की जरूरत : चीन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ तनाव कम करने के लिए 'और अधिक लुभावनी और व्यावहारिक' नीतियों एवं कार्ययोजनाओं पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को उत्तर कोरिया के परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को लेकर टकराव, निंदा और प्रतिबंधों के 'दुष्चक्र' में लौटने से बचना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जून ने कहा कि समाधान सीधी बातचीत में निहित है और अगर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ कोई समाधान चाहता है तो 'उन्हें और अधिक ईमानदारी और लचीला रुख दिखाना चाहिए।' चीन के राजदूत ने अमेरिका-उत्तर कोरिया के परमाणु विवाद पर संवाददाताओं को चीन के विचारों से अवगत कराते हुए कहा, 'इस मुद्दे को हल करने की चाबी पहले से ही अमेरिका के हाथों में है।' यह पूछे जाने पर कि इस संबंध में अमेरिका को और क्या करना चाहिए, क्योंकि वह पहले ही कह चुका है कि वह उत्तर कोरिया के साथ बात करने के लिए तैयार है, इस पर झांग ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के बीच सिंगापुर एवं हनोई में बातचीत की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'हमने उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों के परीक्षण और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण को स्थगित करते देखा है। और फिर अमेरिका ने क्या किया, हमने यह भी देखा है।

श्रीलंका ने सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश के लिए कोविड टीकाकरण अनिवार्य किया

कोलंबो। श्रीलंका ने सार्वजनिक स्थानों में प्रवेश करने और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए कोविड-19 रोधी टीकाकरण अनिवार्य कर दिया है। लोगों को बूस्टर खुराक लेने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रकाशित एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। पृथकवास एवं रोग रोकथाम अध्यादेश के तहत 25 जनवरी को प्रकाशित अधिसूचना में कहा गया है, 'टीके की पूरी खुराक लेने का सबूत दिखाए बिना कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान में प्रवेश नहीं करेगा।' यह नया नियम 30 अप्रैल से लागू होगा, जिससे टीकाकरण की कमियों में सुधार होगा क्योंकि लोग बूस्टर खुराक लेने से इनकार कर रहे है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार तक 1.67 करोड़ से अधिक लोगों ने ही कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली जबकि 1.4 करोड़ लोगों ने टीके की दूसरी खुराक ली। केवल 56 लाख लोगों ने तीसरी बूस्टर खुराक ली। स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड रोकथाम समन्वयक डॉ. अनवार हमदानी ने कहा कि पिछले सप्ताह के 10 प्रतिशत के मुकाबले इस सप्ताह संक्रमण के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

न्यूयॉर्क में महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा विरुपित

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। मैनहट्टन के समीप यूनियन स्क्वायर में स्थित महात्मा गांधी की आदमकद कांसे की प्रतिमा शनिवार को विरुपित की गयी, जिससे भारतीय-अमेरिकी समुदाय में रोष पैदा हो गया है। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'घृणित' बताया है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि यह घटना शनिवार तड़के की है जब कुछ अज्ञात लोगों ने प्रतिमा विरुपित कर दी। उसने कहा, 'वाणिज्य दूतावास प्रतिमा को विरुपित करने के इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करता है।' उसने बताया कि मामले को स्थानीय प्राधिकारियों के समक्ष उठाया गया है। उसने कहा, 'अमेरिका के विदेश विभाग के समक्ष तत्काल जांच के लिए भी इस मामले को उठाया गया है और उनसे इस घृणित कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।' न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कनेक्टिकट के भारतीय प्रवासी समुदाय के संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस' (एफआईए) ने राष्ट्रपिता की प्रतिमा के साथ इस 'कायरतापूर्ण कृत्य' की कड़ी निंदा की। एफआईए के अध्यक्ष अंकुर वैद्य ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'ऐसे व्यक्ति को देखना बहुत दुखद है जो इतना विकृत हो सकता है कि ऐसे विशिष्ट नेता तथा शख्सियत की प्रतिमा को विरुपित करें, जिसे शांति तथा अहिंसा के संदेश के लिए विश्वभर में पहचाना जाता है।' गांधी मेमोरियल इंटरनेशनल फाउंडेशन ने आठ फुट ऊंची यह प्रतिमा दान दी है और महात्मा गांधी की 117वीं जयंती के अवसर पर दो अक्टूबर 1986 को इसे स्थापित किया गया था। इस प्रतिमा को 2001 में हटा दिया गया और 2002 में पुनः स्थापित किया गया था। पिछले वर्ष अज्ञात बदमाशों ने इसी तरह अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में गांधी की एक अन्य प्रतिमा को भी विरुपित कर दिया था।

कनाडा में कोरोना वायरस टीके को जरुरी बनाये जाने के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

चीन की पड़ोस की कूटनीति में पाकिस्तान को प्राथमिकता : चीनी प्रधानमंत्री

बीजिंग। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को कहा कि पड़ोस की कूटनीति में चीन के लिए पाकिस्तान प्राथमिक स्थान रखता है। ली ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष इमरान खान से मुलाकात की। इस दौरान खान ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार चीनी नागरिकों और उनके देश में जारी परियोजनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नंबर के नेता ली ने पाकिस्तान के साथ बहु-आयामी व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने की चीन की इच्छा व्यक्त की। चीनी प्रधानमंत्री ने कहा कि चीन हमेशा पाकिस्तान के साथ अपने करीबी रणनीतिक संबंधों को महत्व देता है। खान चीनी सरकार के निमंत्रण पर बीजिंग के दौरे पर हैं और शुक्रवार को बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। ली ने खान के साथ बैठक में कहा कि चीन पाकिस्तान से कृषि उत्पादों के आयात का विस्तार करने पर गंभीरता से विचार करेगा। खान ने चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी का हवाला देते हुए कहा कि उनका देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की परियोजना के लिए प्रतिबद्ध है और कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना जारी रखेगा।

कश्मीरियों को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जरूरत : इमरान खान

चीन में भी जारी रहा पाक पीएम का कश्मीर पर अर्नगल प्रलाप

इस्लामाबाद (एजेंसी)

लगता है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को दिन-रात दोनों समय कश्मीर के सपने आते रहते है। वे इस वक्त चीन के दौरे पर हैं। बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शनिवार को बीजिंग में अपनी चीनी समकक्ष ली के कियांग के साथ बातचीत की। इस बैठक के बाद इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान और चीन ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच 'ऑल वेदर' पार्टनरशिप के महत्व को बढ़ावा दिया किया और एक-दूसरे के प्रमुख हित के समर्थन को दोहराया है। चीन में भी इमरान खान अपना कश्मीर राग अलापने से नहीं बाज आए। एक पाकिस्तान के अखबार ने पीएमओ के हवाले से बताया कि इस बैठक में इमरान खान के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, योजना मंत्री, सूचना मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत गर्मजोशी, गहरे आपसी विश्वास और सहमति से प्रभावित थी। पाकिस्तान और चीन ने द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर चर्चा की। इसमें सीपीईसी के आगे बढ़ने और क्षेत्रीय और वैश्विक चिंता के महत्वपूर्ण मुद्दों सहित द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा शामिल थी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने पाकिस्तान-चीन ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप की पुष्टि की और एक-दूसरे के मुख्य हित के मुद्दों पर समर्थन दोहराया। इमरान खान ने कहा कि पिछले साल राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 साल पूरे होने पर द्विपक्षीय मित्रता को एक नई गति मिली है। उन्होंने कोविड-19 महामारी से निपटने और समय पर टीकों की आपूर्ति में पाकिस्तान को समर्थन और सहायता के लिए चीनी सरकार को धन्यवाद दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों को साझा करते हुए इमरान खान ने 'भारतीय अवैध रूप से अधिकृत जम्मू और कश्मीर (आईआईओजेके)' में गंभीर स्थिति के साथ-साथ कश्मीरी लोगों के दर्द को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से तत्काल कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला। खान ने अफगानिस्तान में जारी संकट से निपटने के लिए भी चीन के साथ हाथ मिलाने का दावा किया है।

रिपब्लिकन पार्टी ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से और मजबूत किया नाता

साल्ट लेक सिटी (अमेरिका) (एजेंसी)

डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में रिपब्लिक पार्टी की नेशनल कमेटी (आरएनसी) में राष्ट्रपति पद की दौड़ में सभी दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए अपनी पार्टी के नेताओं को हैरान कर दिया। वहीं, 2020 में, पार्टी को रिपब्लिकन अध्यक्ष के रूप में उनका समर्थन करने के लिए बाध्य किया गया था। हालांकि, 2024 में रिपब्लिकन पार्टी के पास एक विकल्प है। आरएनसी पर अब फिर से पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन करने का कोई दायित्व नहीं है। पार्टी के नियमों के हिसाब से तटस्थता की आवश्यकता होती है, अगर एक से अधिक उम्मीदवार पार्टी के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन चाहते हैं। वर्ष 2018 से नेवादा का प्रतिनिधित्व करने वालीं आरएनसी की सदस्य मिशेल फियोर ने कहा, 'अगर ट्रंप तय करते हैं कि वह मुकाबले में उतरेंगे तो आरएनसी को उन्हें शत-प्रतिशत समर्थन देना चाहिए। हम पार्टी के उपनियमों को बदल सकते हैं। ट्रंप के प्रति वफादारी फिर से याद दिलाती है कि अमेरिका का प्रमुख राजनीतिक दल देश के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करने वाले व्यक्ति के साथ अपने रिश्ते को गहरा कर रहा है। हाल में ट्रंप ने कहा था कि तत्कालीन उपराष्ट्रपति माइक पेंस चुनाव परिणाम को पलट सकते थे। हालांकि, पेंस ने ट्रंप के उन दावों का खंडन किया है कि वह 2020 के चुनाव के नतीजों को पलट सकते थे। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति 'गलत' कह रहे हैं कि चुनाव नतीजों को बदला जा सकता था। शुक्रवार को फ्लोरिडा में 'कंजर्वेटिव फेडरलिस्ट सोसाइटी' की एक सभा को संबोधित करते हुए, पेंस ने कहा, 'पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप गलत हैं। मुझे चुनाव नतीजों को पलटने का कोई अधिकार नहीं था।'

बंधुत्व की भावना हमें किसी भी धर्म के खिलाफ नफरत का मुकाबला करने के लिए प्रेरित करती है: भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ हिंसा का संयुक्त रूप से मुकाबला करने का आग्रह किया है। भारत ने याद दिलाया कि अफगानिस्तान के बामियान में तालिबान द्वारा बुद्ध की मूर्तियों को तोड़ना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने कहा कि किसी भी धर्म, विशेष रूप से हिंदू , बौद्ध और सिख धर्मों के खिलाफ भय की भावना का पैदा होना गंभीर चिंता का विषय है और इस खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय ह्यमानव बंधुत्व दिवसह्ल के अवसर पर एक विशेष डिजिटल कार्यक्रम में यह बात कही। इस कार्यक्रम को सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन (यूएनएओसी) ने संयुक्त राष्ट्र में मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात के स्थायी मिशनों की साझेदारी से आयोजित किया था। तिरुमूर्ति ने कहा, मानव बंधुत्व की भावना हमें न केवल अब्राहमी धर्मों, बल्कि सिख धर्म, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों के खिलाफ नफरत और हिंसा का मुकाबला करने के लिए भी प्रेरित करती है। बामियान मेंबुद्ध की मूर्तियों को तोड़ा जाना इस बात का प्रमाण है कि अन्य धर्मों के खिलाफ नफरत क्या कर सकती है। तालिबान ने 2001 में बामियान में बुद्ध की छठी शताब्दी में बनीं मूर्तियों को नष्ट कर दिया था। तालिबान के पूर्व नेता मुल्ला मोहम्मद उमर ने विशाल पर्वतों में उकेरी गईं उन मूर्तियों को नष्ट करने का आदेश दिया था।

जेफ बेजोस की नाव को समद्र तक ले जाने के लिए तोड़ना पड़ेगा ऐतिहासिक पुल, बेजोस देंगे पूरा खर्चा

रॉटर्डम (एजेंसी)

दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में शामिल जेफ बेजोस की विश?व की सबसे विशालकाय नौका वाई721 नीदरलैंड में बड़े विवाद में फंस गई है। यह नौका इतनी बड़ी है कि उसको रास्ता देने के लिए रॉटर्डम शहर में स्थित ऐतिहासिक पुल के एक हिस्से को तोड़ना पड़ा है। इससे रॉटर्डम के स्थानीय लोग बुरी तरह से भड़के हुए हैं। रॉटर्डम शहर के प्रशासन ने जहां इस तोड़फोड़ को मंजूरी दे दी है, वहीं अब शहरवासियों ने बेजोस की नाव पर हजारों की तादाद में अंडे बरसाने का फैसला किया है। जेफ बेजोस की यह आलीशान नौका 417 फुट ऊंची है और इसे बनाने में करीब 43.65 अरब रुपए का खर्च आया है। अब यह नौका तैयार है और पहली बार समुद्र की लहरों पर सैर के लिए निकलने वाली है।

रॉटर्डम शहर के करीब 4 हजार लोगों ने फेसबुक पर इस नौका पर अंडे बरसाने में रुचि दिखाई है। इस नौका को ओसेना शिपयार्ड में बनाया गया हैस, लेकिन उसे समुद्र तक पहुंचने के लिए कोनिंगशेवेन ब्रिज से गुजरना होगा। इस ब्रिज के नीचे से 130 फुट तक के जहाजों को ही निकलने की अनुमति है। जेफ बेजोस की अरबों की यह नाव 417 फुट ऊंची है और उसको समुद्र तक ले जाने के लिए ऐतिहासिक पुल को तोड़ना होगा जिसका खर्चा बेजोस दे रहे हैं।

144 साल पुराने कोनिंगशेवेन ब्रिज को 1878 में बनाया गया था। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नाजी सेना ने इस पुल पर बमबारी की थी और इसे दोबारा बनाया गया था। वर्ष 2017 में इस ब्रिज की मरम्मत की गई थी और तब लोकल काउंसिल ने वादा किया था कि वह कभी भी इस ब्रिज के साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा। स्थानीय सरकार अब इसके फायदे बताने में लगी है। सरकार का कहना है कि बेजोस की आलीशान नौका से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला है। साथ ही सरकार ने कहा कि बेजोस की नौका गुजरने के बाद ब्रिज को फिर से बनाया जाएगा। वाई721 के बारे में हाल ही में जेफ बेजोस से जुड़ी एक किताब में भी जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह सुपरयाट वर्तमान समय में मौजूद सबसे ज्यादा अच्छे से चलने वाले जहाजों में से एक है। बताया जा रहा है कि जेफ बेजोस का यह महाविशालकाय याट अंतरिक्ष से भी देखा जा सकेगा। इसका अपना एक अन्य सपोर्ट याट भी होगा। इसमें हेलिपैड भी बना होगा। जेफ बेजोस अपना समय बचाने के लिए दुनिया के सबसे तेज विमान गल्फस्ट्रीम जी-650ईआर प्राइवेट जेट का इस्तेमाल करते हैं। इसकी कीमत करीब 6.5 करोड़ डॉलर है। वर्ष 2017 में जेफ बेजोस ने फूड ग्रोसरी चेन को 13.7 अरब डॉलर में खरीदा था।

कनाडा: एक के बाद एक हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़, मूर्तियों से आभूषण भी चुरा ले गए चोर; डरे हुए हैं पुजारी और श्रद्धालु

.लंदन (एजेंसी)

ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में मंदिरों के पुजारी और भक्त डर की स्थिति में हैं क्योंकि पिछले दस दिनों में आधा दर्जन पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की गई है। उपद्रवियों ने दान पेटियों से कैश चुराने के अलावा मूर्तियों पर सजाए गए आभूषण भी चुरा ले गए।

मंदिरों को निशाना बनाने वाली ये घटनाएं 15 जनवरी को जीटीए शहर ब्रैम्पटन में श्री हनुमान मंदिर में एक असफल तोड़-फोड़ के साथ शुरू हुईं। तभी से बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया है। 25 जनवरी को, ब्रैम्पटन में एक और मंदिर, मां चिंतपूर्णी मंदिर को तोड़ दिया गया था। इस घटना के बाद भी उपद्रवी शांत नहीं बैठे, उन्होंने गौरी शंकर मंदिर और जगन्नाथ मंदिर (दोनों ब्रैम्पटन में) में भी उत्पात मचाया। उन्होंने मिसिस-ॉगा में हिंदू हेरिटेज सेंटर और हैमिल्टन समाज मंदिर में भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम दिया।

मिसिसॉगा में हिंदू हेरिटेज सेंटर में, यह घटना 30 जनवरी को हुई, जब दो व्यक्तियों ने सेंटर में घुसपैठ कर दान पेटियों और मुख्य कार्यालय में तोड़फोड़ को अंजाम दिया। मंदिर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, 'इस घटना से श्रद्धालु और पुजारी आहत हैं।' साझा की गई सिक्योरिटी कैमरा की तस्वीरों के अनुसार, इनमें से प्रत्येक ब्रेक-इन में दो व्यक्ति शामिल हैं और ये घटनाएं 2 से 3 बजे के बीच हुई हैं। घुसपैठियों की तस्वीरों को देखें तो वे एक बैकपैक के साथ विंटर गियर लिए हुए नकाबपोश हैं, और वे मंदिर परिसर के भीतर काफी समय बिताते हैं, दान पेटी में नकदी या देवी-देवताओं की मूर्तियों पर से आभूषण जैसे अन्य कीमती सामान की तलाश करते दिखते हैं। मिसिसॉगा में हिंदू हेरिटेज सेंटर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, 'पील पुलिस ने हिंदू विरासत केंद्र को पुष्टि की है कि यह वही व्यक्तियों

का समूह है जो सुबह-सुबह मंदिरों में घुस रहे हैं।'

मंदिर ने सुरक्षा बढ़ा दी है और स्वयंसेवकों ने परिसर की सुरक्षा के लिए नाइट शिफ्ट शुरू कर दी है। बयान में कहा गया, 'पुलिस ने मंदिर के चारों ओर गश्त बढ़ाने का भी वादा किया है। मंदिरों में बड़ी संख्या में तोड़फोड़ से समुदाय बहुत हैरान और स्तब्ध है।'

अमेरिका ने मसूद खान की पाकिस्तानी राजदूत के तौर पर नियुक्ति को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी सरकार ने वाशिंगटन में पाकिस्तानी राजदूत के रूप में सरदार मसूद खान की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। हाल में एक वरिष्ठ अमेरिकी सांसद ने राष्ट्रपति जो बाइडन से मसूद की नियुक्ति को मंजूरी नहीं देने का अनुरोध किया था और मसूद पर आतंकवादियों का हमदर्द होने का आरोप लगाया था। मसूद पहले पिछले साल अगस्त तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्हें नवंबर में अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में नामित किया गया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सरकार ने वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में सरदार मसूद खान की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला, चुनाव प्रचार के लिए रोड शो, वाहन रैलियों पर बढ़ाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को रोड शो, पद यात्रा , साइकिल और वाहन रैलियों पर प्रतिबंध को बढ़ा दिया, लेकिन कोविड-19 मामलों में कमी का हवाला देते हुए चुनावों के लिए बंद और खुले स्थानों पर प्रचार कार्यक्रमों के लिए नयी छूट प्रदान की। नयी छूट मिलने के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में राजनीतिक दलों को बड़े चुनाव प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिये 10 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिये आठ फरवरी की शाम प्रचार अभियान थम जाएगा। आयोग ने राज्यों के मुख्य सचिवों, उसके पर्यवेक्षकों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर भौतिक प्रचार कार्यक्रमों को आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर दी। आयोग ने एक बयान में कहा कि खुले में सभा, बंद भवनों में सभा तथा रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी गई है, लेकिन बंद सभागारों की 50 प्रतिशत क्षमता और खुले मैदान की 30 प्रतिशत क्षमता के बराबर लोग ही इनमें शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा, घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए अधिकतम 20 लोगों की सीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। प्रचार पर रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक प्रतिबंध लागू रहेगा। देश में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और पंजाब में विधानसभा चुनाव होना है।

राज्यपाल ने शहीद स्मारक जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए

धर्मशाला। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज कांगड़ा जिले के धर्मशाला स्थित शहीद स्मारक का दौरा किया और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 163 वीर शहीदों को अपने श्रद्धासुमद अर्पित किए। उन्होंने अमर जवान ज्योति प्रज्वलित कर शहीदों को स्मरण किया। यह पहला मौका है जब प्रदेश के किसी राज्यपाल ने शही स्मारक का दौरा किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि कहा जाता है। यहां आकर यह बात स्पष्ट हो जाती है कि हिमाचल के वीर सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि 1962 का चीन-भारत का युद्ध, 1965 में भारत-पाकिस्तान का युद्ध, 1971 का युद्ध और 1999 में कारगिल युद्ध, हिमाचल के वीर सैनिकों ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि देश का पहला परमवीर चक्र हिमाचल प्रदेश के मेजर सोमनाथ के नाम है। उन्होंने कहा कि युद्ध स्मारक भावी पीढ़ी के लिए के प्रेरणा का केंद्र है। यहां देश के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले वीर जवानों की जानकारी उपलब्ध है, जिन्होंने हमारे सुनहरे भविष्य के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें यहां आने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि हमें अपने वीर शहीदों पर गर्व है। राज्यपाल ने इस मौके पर हिमाचल प्रदेश वार मैमोरियल डवैलपमेंट सोसायटी, धर्मशाला के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श किया और उनसे विचार सांझा किए। सोसायटी के अध्यक्ष कर्नल डढवाल ने राज्यपाल को सोसायटी की गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने शहीद स्मारक और युद्ध संग्राहलय की जानकरी दी।

सुपरमार्केट व सड़क किनारे दुकानों में शराब बेचने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनशन करेंगे अन्ना हजारे

पुणे । महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक ह्यस्मरण पत्रह्व लिखा है। इसमें हजारे ने कहा है कि वह सुपरमार्केट और सड़क किनारे की दुकानों में शराब बेचने संबंधी राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन करेंगे। हजारे ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पहला पत्र लिखकर तीन फरवरी को आबकारी नीति का विरोध किया था, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा इसके बाद मुख्यमंत्री को याद दिलाने के लिए उन्हें स्मरण पत्र भेजना पड़ा। महाराष्ट्र सरकार ने हाल में सुपरमार्केट और किराने की दुकानों में भी शराब बेचने की अनुमति देने का फैसला किया था। हजारे ने कहा इस फैसले के खिलाफ मैंने अनिश्चितकालीन अनशन करने का फैसला किया है। मैंने इस संदर्भ में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पत्र भेजा था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

भाजपा ने 8 फरवरी को सदन में रहने के लिए राज्यसभा सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली । भाजपा ने अपने सभी सांसदों को आठ फरवरी को राज्यसभा में रहने के लिए व्हिप जारी की है। पार्टी ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी राज्यसभा सांसदों को 8 फरवरी, मंगलवार को सारे दिन पूरे समय सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सरकार के पक्ष का समर्थन करने को कहा है। दरअसल, मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे सकते हैं। इस धन्यवाद प्रस्ताव को राज्यसभा से पारित भी कराया जाना है। इसे पारित कराने के दौरान विपक्षी दल अपने संशोधनों को लेकर मतदान की मांग कर सकते हैं। विरोधी दलों की इसी रणनीति के मद्देनजर भाजपा ने पूरी ताकत के साथ राज्यसभा में दिनभर मौजूद रहने के लिए अपने सांसदों को व्हिप जारी कर यह निर्देश दिया है ताकि वोटिंग की नौबत आने पर विरोधी दलों के प्रस्ताव को बहुमत के आधार पर खारिज कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों के 14 सांसदों की तरफ से राष्ट्रपति के अभिभाषण में संशोधन के लिए 99 नोटिस दिए गए थे, जिनमें से 11 विपक्षी सांसदों की तरफ से संशोधन के लिए 80 नोटिस पेश किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और सीपीएम के इलामारन करीम द्वारा पेगासस जासूसी मामले को लेकर दिए गए संशोधन प्रस्ताव को यह कहते हुए नामंजूर कर दिया गया है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। अपने संशोधन प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किए जाने के विरोध में सीपीएम सांसद इलामारन करीम ने राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर विरोध जताया है। इस मसले पर विपक्षी सांसद राज्य सभा में हंगामा भी कर सकते हैं और साथ ही सदन में संख्या बल के आधार पर सभी विपक्षी दल मिलकर अपने संशोधन को पारित करवाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसी आशंका के मद्देनजर भाजपा भी अपनी पूरी संख्या के साथ राज्यसभा में मौजूद रहना चाहती है और इसलिए व्हिप जारी किया गया है।

आठ मई को खुलेंगे बदरीनाथ धाम के कपाट, टिहरी राजदरबार में तय हुई तारीख

ऋषिकेश। इस यात्रा वर्ष विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट रविवार आठ मई को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर खुलेंगे, जबकि गाडू घड़ा (तेलकलश यात्रा) की तिथि 22 अप्रैल शुक्रवार तय की गई है। नरेंद्र नगर (टिहरी) स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सादे धार्मिक समारोह में पूजा-अर्चना तथा पंचाग गणना के पश्चात राज परिवार, श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति, श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत की उपस्थिति में धमार्चार्यों द्वारा पंचाग गणना के पश्चात श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की। कार्यक्रम में कोविड प्रोटोकाल मानकों का पालन किया गया।

बागपत में विपक्षियों पर बरसे अमित शाह, बोले- 5 साल में यूपी की अर्थव्यवस्था को बनाएंगे नंबर वन

बागपत। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह ने रविवार को बागपत में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महान गायक लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज हम सबके बीच स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर जी नहीं रही। आज उनका निधन हो गया। आज पूरा देश लता जी को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी रहा है। मैं भी पूरे मंच और भाजपा की ओर से लता जी को श्रद्धांजलि देता हूं।

उन्होंने कहा कि ये चुनाव निश्चित करने वाला है कि आने वाले दिनों में फिर से एक बार यहां माफियाओं का राज चलेगा या कानून का राज चलेगा। उत्तर फिर से एक बार दंगों की आग में झुलसेगा या यहां विकास का रास्ता प्रशस्त होगा, ये निश्चित करने का चुनाव है। इसी बीच उन्होंने कहा कि भाजपा को एक मौका दे दीजिए, 5 साल में देश में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नंबर की हो जाएगी।

गृह मंत्री ने विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-बसपा विकास की बात करते हैं, उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। 10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार चली, इसमें सपा-बसपा का भी समर्थन भी था। एक हिसाब से कांग्रेस-सपा-बसपा की सरकार चली। लेकिन साल 2013-14 के बजट में उत्तर प्रदेश का कितना बजट दिया गया? अखिलेश यादव आंकड़े की बात ही नहीं करते हैं लेकिन आंकड़ों की बात आती है तो सिर्फ और सिर्फ इत्र वाले की याद आती है।

गृह मंत्री ने कहा कि सपा इत्र वाले के यहां से 250 करोड़ रुपए पकड़े गए। उनके (अखिलेश) पेट में दर्द होने लगता है और कहते हैं कि मोदी जी बदला ले रहे हैं। अरे अखिलेश जी आपको क्या तकलीफ है रेड से? ये इत्र वाला आपका कौन है जनता को बताओं जरा? उन्होंने कहा कि सोनिया-मनमोहन की सरकार ने 2013-14 में उत्तर प्रदेश को 66,623 करोड़ रुपये दिया था। अभी-अभी मोदी जी बजट लेकर आए, 2022-23 के बजट में उत्तर प्रदेश के विकास के लिए मोदी जी ने 1 लाख 46 हजार 500 करोड़ रुपये देने का कार्य किया।

गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव को कुछ लोग विधायक बनने का, मंत्री बनने की सीढ़ी का और कुछ लोग इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य के साथ जोड़ते हैं। मगर ये चुनाव उत्तर प्रदेश का भविष्य निश्चित करने का चुनाव है, प्रदेश को आगे ले जाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 1.82 करोड़ गरीबों के घर में 70 साल तक बिजली नहीं आई थी, वहां बिजली पहुंचाने का काम हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

जम्मू को कश्मीर के बराबर दर्जा देने का प्रस्ताव

जम्मू । परिसीमन आयोग ने अपनी दूसरी मसौदा रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा कश्मीर संभाग में बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए हैं। इसे केंद्रशासित प्रदेश के पांच सहयोगी सदस्यों को उनके सुझावों के लिए सौंपा गया है। अनंतनाग संसदीय सीट के पुनर्निर्धारण प्रस्ताव के तहत अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि विस्तृत रिपोर्ट में जम्मू संभाग से राजौरी और पुंछ को शामिल करके अनंतनाग संसदीय सीट के पुनर्निर्धारण का प्रस्ताव है। परिसीमन आयोग ने जम्मू और कश्मीर की विधानसभाओं का प्रारूप ही नहीं पांच संसदीय क्षेत्रों का आकार भी बदल रही है। इस संबंध में आयोग ने अपनी दूसरी मसौदा रिपोर्ट पेश की है। जिसमें जम्मू कश्मीर के विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट में राज्य के कई नेताओं ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य की कई विधानसभा सीटें खत्म कर दी गई हैं। इसमें हब्बा कदल सीट भी शामिल है, जिसे प्रवासी कश्मीरी पंडितों के पारंपरिक गढ़ के रूप में देखा जाता था। श्रीनगर जिले की खानयार, सोनवार और हजरतबल विधानसभा सीटों को छोड़कर अन्य सभी सीटों का पुनर्निर्धारण किया गया है व चन्नापुरा तथा श्रीनगर दक्षिण की तरह नई विधानसभा सीटों के साथ विलय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई प्रस्तावित रिपोर्ट में हब्बा कदल के मतदाता अब कम से कम तीन विधानसभा क्षेत्रों का हिस्सा होंगे। इसी तरह, पांच विधानसभा क्षेत्रों वाले बडगाम जिले का पुनर्निर्धारण किया गया और बारामूला संसदीय क्षेत्र के साथ विलय कर दिया गया, इसके अलावा कुछ क्षेत्रों को विभाजित किया गया और उत्तरी कश्मीर में कुंजर जैसी नई विधानसभा सीटों का निर्माण किया गया है।

आस्था से सरोकार न रखने वालों को 'अब सपने में याद आने लगे हैं भगवान कृष्ण': पीएम मोदी

लखनऊ। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी (सपा) को नकली समाजवादी करार देते हुए रविवार को कहा कि जनता की आस्था से कोई सरोकार नहीं रखने वाले इन लोगों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपार समर्थन मिलता देखकर 'अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी' है। मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जन चौपाल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा, 'चुनाव देखकर कृष्ण भक्ति का चोला ओढ़ने वाले लोग जब सरकार में थे तो वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और नंदगांव को वे भूल ही गए थे।

आज भाजपा को अपार समर्थन देख इन लोगों को अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने हाल में कहा था कि भगवान कृष्ण रोजाना उनके सपने में आकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, जो पहले सरकार में थे, उन्हें ना तो आप लोगों की आस्था से मतलब था और ना ही आपकी जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है, उत्तर प्रदेश को लूटो। उन्हें बस सरकार बनाने से मतलब रहा है इसीलिए आज वह मुख्यमंत्री योगी (आदित्यनाथ) जी और भाजपा सरकार को पानी पी पी कर कोस रहे हैं। उत्तर प्रदेश का इन लोगों ने जो हाल बना दिया था, वह इन नकली समाजवादियों के कर्मों का कच्चा चिट्ठा है। मोदी ने आरोप लगाया, पिछली सरकारों के शासनकाल में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे राजमार्गों पर गाड़ी रोक कर लूटपाट करते थे और राजमार्गों पर ही महिलाओं और बेटियों के साथ क्या होता था, यह बुलंदशहर के लोग अच्छी तरह से जानते हैं। तब उत्तर प्रदेश में घरों एवं दुकानों पर अवैध कब्जे होना आम बात थी।

भाजपा ने राहुल गांधी पर कसा तंज, कहा- पंजाब में किस हैसियत से मुख्यमंत्री पद का चेहरा करेंगे घोषित

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अधिकार पर सवाल खड़ा करते हुए भाजपा ने रविवार को कहा कि वर्तमान में वह पार्टी में किसी पद पर नहीं हैं। राहुल गांधी डिजिटल रैली के लिए रविवार को लुधियाना पहुंचे और वह पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा करेंगे। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने बयान जारी कर कहा, 'राहुल गांधी पार्टी में किसी पद पर नहीं हैं, तो किस हैसियत और अधिकार से वह आज पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करेंगे।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उम्मीदवार का चयन करना वास्तव में पार्टी का विशेषाधिकार है, लेकिन पंजाब के लोग जानना चाहेंगे कि पार्टी का सांसद होने के अलावा पार्टी में अब गांधी की क्या हैसियत है। शेखावत ने कहा कि गांधी ने लोकसभा चुनावों में हार के बाद 2019 में कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि अब उनकी एकमात्र योग्यता यह है कि उनका उपनाम 'गांधी' है। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री पद की दौड़ से सुनील जाखड़ का नाम हटाने के लिए भी कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि 'उनका नाम इसलिए हटाया गया क्योंकि वह एक विशेष धर्म से आते हैं।

अपर्णा यादव ने बताया बीजेपी में शामिल होने से पहले, मुलायम सिंह ने उन्हें दी थी क्या नसीहत

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश चुनाव में आप हफ्ते भर से भी कम का समय रह गया है। इसे देखते हुए चाहे सत्ताधारी बीजेपी हो या समाजवादी पार्टी या फिर अन्य पार्टियां सभी चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। हाल ही में समाजवादी पार्टी से भाजपा में शामिल हुई अपर्णा यादव बीजेपी के लिए जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। अपर्णा के बीजेपी में शामिल होने के बाद से ही सियासी गलियारों में जो एक सवाल लगातार पूछा जा रहा है वो ये कि, अपर्णा यादव के इस फैसले से समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह सहमत थे या नहीं। अपर्णा यादव ने कहा कि उन्हें मुलायम सिंह यादव का आशीर्वाद प्राप्त है तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि नेताजी ने अपर्णा को समझाने की कोशिश की थी। अब अपर्णा यादव ने खुलासा किया है कि बीजेपी में आने के उनके फैसले पर मुलायम सिंह ने उन्हें क्या नसीहत दी थी। एक टीवी इंटरव्यू में अपर्णा यादव ने कहा कि इंडियन फैमिली सिस्टम में जब लड़की की शादी हो जाती है, तो ससुर आपके पिता तुल्य होते हैं। उन्होंने (मुलायम सिंह) ने मुझे खुश रहो का आशीर्वाद दिया। मैं वक्त वक्त पर उनके सामने अपनी बात रखती हूं और उनकी बात सुनती हूं। अपर्णा यादव ने कहा पिताजी हम बहुओं को कभी भी किसी भी चीज के लिए नहीं रोकते। वह यह नहीं कहते कि यह मत करो वह मत करो। उनसे जब बीजेपी में जाने से पहले मुलायम सिंह से बातचीत का प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हां बात हुई थी।

अखिलेश यादव के इस दावे पर कि नेताजी ने उन्हें बहुत समझाने की कोशिश की, इस पर अपर्णा ने कहा उन्होंने (मुलायम सिंह) ने मुझे बहुत बड़ी राजनीतिक समझ दी। उन्होंने मुझे इस बात को समझाया कि परिवार अपने स्थान पर है राष्ट्रवाद एक तरफ है। अपर्णा ने कहा कि उनके लिए राष्ट्रवाद परिवार से ज्यादा अहम है। और इसीलिए उन्होंने बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया।

मुसलमानों से रिश्तों पर बोले, योगी- जो भारत को प्यार करता है हम उससे प्यार करते हैं

लखनऊ (एजेंसी)

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों से अपने रिश्तों का खुलासा बेहद सटीक अंदाज में किया है। दरअसल, यूपी में 10 फरवरी को विस चुनाव के पहले चरण का मतदान होगा। चुनाव को लेकर भाजपा, सपा सहित सभी पार्टियां धुआंधार प्रचार कर रही है। इसी बीच एक टीवी इंटरव्यू में जब सीएम योगी आदित्यनाथ से पूछा गया कि आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि जैसे वे मुझे देखते हैं, वैसे मैं भी उन्हें देखता हूं। एक इंटरव्यू में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल पूछा गया कि पीएम मोदी का नारा रहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। आप भी इस नारे को हर मंच से दोहराते हैं। आपने अभी तक बहुत से उम्मीदवार घोषित किए हैं लेकिन कोई भी मुसलमान कैंडिडेट घोषित नहीं किया है। आपका मुसलमानों से क्या रिश्ता है?

इस सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि मेरा वही रिश्ता उनके साथ में है जो उनका रिश्ता मुझसे है। आगे उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार में मेरे मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम मंत्री मोहसिन रजा हैं। केंद्र सरकार में मुख़्तार अब्बास नकवी मंत्री हैं। इसी प्रकार के कई चेहरे हैं। आरिफ मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हमारा किसी चेहरे, व्यक्ति, जाति या मजहब से विरोध नहीं है। लेकिन जिसका विरोध भारत से है और भारतीयता से है तो स्वाभाविक रूप से हमारा उससे विरोध होगा।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जो भारत को प्यार करता है। हम उससे प्यार करते हैं। जो भारत के मूल्यों और सिद्धांतों में रचा बसा है। हम उसको हृदय से लगाते हैं, गले से लगाते हैं और सम्मान भी देते हैं। लेकिन अगर आजादी के बाद किसी ने ईमानदारी से सबका साथ सबका विकास पर काम किया है तो वो भाजपा सरकार ने किया है। आप देख सकते हैं कि जो लोग गरीब कल्याण का नारा देते थे, गरीबी हटाओ का नारा देते थे, सामाजिक न्याय की बात करते थे। उनका क्या सामाजिक न्याय है? गरीबों की पेंशन हड़प जाना क्या यही सामाजिक न्याय है? गरीबों के आवास योजना को लागू न करना क्या यही सामाजिक न्याय है?

बता दें कि करीब तीन दशक के बाद किसी भी प्रमुख पार्टी ने गोरखपुर सदर सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार घोषित किया है। बसपा ने गोरखपुर सदर से योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपने पुराने पार्टी कार्यकर्ता ख्वाजा शम्सुद्दीन को चुनावी मैदान में उतारा है। हालांकि इस सीट पर पहले के चुनावों में भी मुस्लिम उम्मीदवार को 3000 से ज्यादा वोट नहीं मिले हैं। सिर्फ 1993 के चुनाव में बसपा के उम्मीदवार जाफर अली जिप्पू को करीब 14 फीसदी वोट मिले थे और वे तीसरे स्थान पर रहे थे।

भाजपा सांसद ने कहा हिजाब पहनना चाहते हैं तो कॉलेजों के बजाय मदरसों में जाएं

मैसूर (एजेंसी)

कर्नाटक के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने कहा कि शरिया कानूनों की वकालत करने वाले लोगों को विभाजन के दौरान पाकिस्तान चले जाना चाहिए था। उन्होंने कहा अगर आप हिजाब, बुर्का, पारंपरिक मुस्लिम पैंट पहनना चाहते हैं, तो आपको मदरसों में शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम समाज अपनी मर्जी का सब कुछ चाहता है तो वह 1947 में बने पाकिस्तान क्यों नहीं चला गया।

उन्होंने कहा चूंकि आपने भारत में रहना चुना है, तो फिर आपको देश की संस्कृति का भी सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा सरस्वती, गणेश की पूजा और चूड़ियां-सिंदूर धारण करने पर सवाल उठाने वालों के लिए कहना चाहूंगा कि यह ब्रिटिश भारत नहीं है। इस भूमि की मूल नींव हिंदू धर्म है। हम मक्का, मदीना या येरुशलम में सिंदूर और चूड़ियां पहनने की इजाजत देने की नहीं मांग रहे हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि रेगिस्तान में पैदा हुए इस्लाम और ईसाई धर्म शरण लेने के लिए यहां आए थे। आप जहां शरण लेते हैं, उस भूमि का उस संस्कृति का आपको सम्मान करना पड़ता है। इस्लाम और ईसाई धर्म विदेशी धर्म हैं। आपको हिंदुओं से सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है।

इस्लाम संस्कृति को जबर्दस्ती थोपने के 700 वर्षों के प्रयासों के बावजूद हम अपनी संस्कृति को संरक्षित करने में सफल रहे हैं। मुसलमानों ने ईरान, इराक को निगल लिया और रोमन सभ्यता को खत्म कर दिया, लेकिन आप हमारी सभ्यता को खत्म नहीं कर सके, यह भारतीय सभ्यता की आंतरिक शक्ति है। अपने रुख को दोहराते हुए प्रताप सिम्हा ने कहा कि मुसलमानों को सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। हालांकि संविधान ने सभी को समान अधिकार दिया है, लेकिन किसी को भी अपनी मूल संस्कृति को बदलने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। हिंदू प्रथाओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

उल्लेखनीय है कि उडुपी जिले के एक प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में कुछ मुस्लिम छात्रों द्वारा हिजाब पहनकर कक्षाओं में भाग लेने पर जोर देने के बाद राज्य में हिजाब को लेकर विवाद पैदा हो गया है। दरअसल मुस्लिक छात्राएं हिजाब पहनकर कॉलेज जाना चाहती थीं, जिन्हें कालेज प्रबंधन ने प्रवेश से वंचित कर दिया। इसके बाद छात्राओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और राज्य सरकार ने इस मुद्दे को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस बीच, विवाद पूरे राज्य में और अधिक कॉलेजों में फैल गया है, जिससे इस मामले ने अब सांप्रदायिक मोड़ ले लिया है, क्योंकि हिंदू छात्रों ने भगवा शॉल के साथ कक्षाओं में भाग लेना शुरू कर दिया है।

कोरोना की रफ्तार घटी, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1 लाख 7474 नए केस सामने आए

-2 लाख से ज्यादा लोगों ने की रिकवरी

नई दिल्ली । कोरोना का घातक वायरस अब सुस्त पड़ने लगा है उसके संक्रमण की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो रही है। कोरोना की तीसरी लहर के बीच पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1 लाख 7474 नए केस सामने आए और 865 मरीजों की मौत हुई। जबकि 2 लाख से ज्यादा लोगों ने रिकवरी की है। देश में सक्रिय मामले अब 2.9 प्रतिशत पहुंच गए हैं। सक्रिय मामले अब 12 लाख 25011 तक पहुंच गए हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि अब तक 169 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना की खुराक दी जा चुकी है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 169.46 करोड़ टीके की खुराक दी जा चुकी है। वहीं, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 107474 नए केस सामने आए। राजस्थान में शनिवार को कोरोना के 5,602 नए मामले सामने आए, जबकि संक्रमण से 19 मरीजों की मौत हो गई। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए संक्रमितों में राजधानी जयपुर में 916, जोधपुर में 615, अलवर में 465, उदयपुर में 341 व गंगानगर में 311 संक्रमित शामिल हैं। राज्य में 9,309 और लोग संक्रमण से मुक्त हो गए और इस समय राज्य में 51,143 वायरस संक्रमितों का इलाज जारी है। पश्चिम बंगाल में कल कोरोना के 1,345 नए मामले सामने आए। राज्य में अब कुल संख्या बढ़कर 20,05,037 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि राज्य में 31 और मरीजों की मौत हो गई, जिसके बाद कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर 20,789 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 2,251 संक्रमित ठीक हुए हैं, जिसके बाद संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19,64,972 पर पहुंच गई है। राज्य में फिलहाल 19,276 मरीज उपचाराधीन हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

संक्षिप्त खबरें

जंयत की टिकैत दरबार में हाजिरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के प्रमुख जयंत चौधरी रविवार को एक बार फिर किसानों की राजधानी कही जाने वाली सिसौली में हाजिरी दी। यहां उन्होंने महेंद्र सिंह टिकैत को श्रद्धांजलि देते हुए अमर किसा ज्योति पर घी की आहुति दी। इसके बाद उन्होंने भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत का आशीर्वाद लिया। खुद जयंत चौधरी ने यह तस्वीर सार्वजनिक करते हुए संदेश देने की कोशिश की है कि टिकैत परिवार का समर्थन उनके साथ है। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से ठीक चार दिन पहले आई इस तस्वीर के सियासी मायने हैं और टिकैत परिवार जिस बात को अपनी जुबान से कहने में हिचकिचा रहा है, उसे इस तस्वीर के जरिए कहने की कोशिश की गई है। बीकेयू के प्रवक्ता राकेश टिकैत बीजेपी को सजा देने की बात तो करते हैं, लेकिन गठबंधन का खुलकर समर्थन करने से बच रहे हैं। पिछले दिनों नरेश टिकैत ने गठबंधन को वोट देने की अपील कर दी थी, लेकिन कुछ ही घंटों में वह सफाई देने लगे। नरेश टिकैत की इस अपील के अगले ही दिन बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान उनके घर पहुंच गए थे। आरएलडी इस बार समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सपा गठबंधन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का गढ़ रहे पश्चिमी यूपी में किसानों की बीजेपी से कथित नाराजगी को भुनाने की कोशिश में है। आंदोलन का चेहरा रहे राकेश टिकैत कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद एमएसपी गारंटी कानून सहित कई मुद्दों पर बीजेपी सरकार का विरोध कर रहे हैं। हालांकि, वह खुलकर किसी पार्टी के समर्थन में वोट की अपील करने से बचते आ रहे हैं।

अलविदा स्वर कोकिला

हस्तियों ने जताया दुख, महाराष्ट्र में एक दिन का अवकाश घोषित

मुम्बई। महान गायिका लता मंगेशकर का निधन हो गया है। वह काफी दिनों से बीमार चल रही थीं। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस लीं। शनिवार को लता मंगेशकर का स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उन्हें दोबारा वेंटिलेटर पर रखा गया था और वह लगातार चिकित्सकों की निगरानी में थीं। लता मंगेशकर की याद में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोक मनाया जाएगा। सम्मान के रूप में दो दिनों तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

लता मंगेशकर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना दुख जताया है। मोदी ने कहा कि मैं शब्दों से परे पीड़ा में हूँ। दयालु और देखभाल करने वाली लता दीदी हमें छोड़कर चली गई हैं। वे हमारे देश में एक खालीपन छोड़ गई है, जिसे भरा नहीं जा सकता। आने वाली पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति के एक दिग्गज के रूप में याद रखेंगी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लिखा कि लता जी का निधन मेरे लिए हृदयविदारक है, जैसा कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए है। उनके गीतों की विशाल श्रृंखला में, भारत के सार और सुंदरता को प्रस्तुत करते हुए, पीढ़ियों ने अपनी आंतरिक भावनाओं की अभिव्यक्ति पाई। उनकी उपलब्धियां अतुलनीय रहेंगी। भारतीय सिनेमा की बेहतरीन

गायिकाओं में शुमार लता ने 13 साल की उम्र में 1942 में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अब तक 30 हजार से अधिक गाने गाये हैं। सात दशक के अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे गाने गाये हैं, जो आज भी लोगों के जेहन में हैं। इनमें ह्याह्यअजीब दास्तां है येह्न ह्याप्यार किया तो डरना क्याह्न और ह्यनीला आसमां सो गयाह्न शामिल है। लता को भारत की ह्यसुर साम्राज्ञीह्न के नाम से जाना जाता है और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा लता को पद्म भूषण, पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन से पूरे देश में शोक है। इस बीच लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने आधे दिन के अवकाश का एलान किया।

भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन के चलते महाराष्ट्र में एक दिन के सार्वजनिक अवकाश का एलान किया गया है।

पीएम ने जताया दुख

लखनऊ/नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुर कोकिला भारत रत्न गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लता जैसी आत्माएं मानवता को सदियों में कभी-कभार वरदान की तरह मिलती हैं और उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है। मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जन चौपाल के दौरान अपने वर्चुअल सम्बोधन की शुरूआत लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा लता दीदी आज ब्रह्मलोक की यात्रा पर चली गई हैं। उनके व्यक्तित्व का विस्तार सिर्फ गानों की संख्या पर सीमित नहीं था। मेरे जैसे अनेक लोग हैं जो गर्व से कहेंगे कि लता दीदी के साथ उनका निकट संबंध था।

एआर रहमान ने जताया दुख

मशहूर संगीतकार एआर रहमान ने दुख जताते हुए कहा कि हमारे लिए आज दुखद दिन है। लता जी सिर्फ एक आइकन नहीं है, वह भारत के संगीत और कविता का भी हिस्सा हैं, उनकी कमी हमेशा खलेगी। मैं लता दीदी एक तस्वीर देख-देखकर रात भर जागता था और प्रेरित हो जाता था;मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ कुछ गाने रिकॉर्ड करने और उनके साथ गाने का मौका मिला।

आशा भोसले से मिले अनुपम

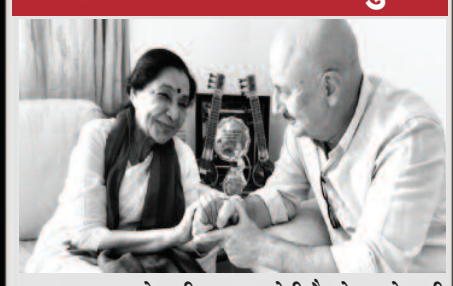

यह अक्सर सबसे बड़ी मुस्कान होती है जो सबसे दुखी दिल को छुपाती है! मैं आशा भोसले जी की अपनी प्यारी बहन के खोने की भावना को उनकी उदास मुस्कान के माध्यम से महसूस कर सकता था! मेरे लिए भी उनसे लता दीदी के बारे में बात करना मुश्किल था। हमने कुछ मुस्कान साझा की और कुछ आंसू।

हम नहीं भूल पाएंगे....

दरअसल 1983 वर्ल्ड कप जीतकर आई भारतीय टीम को बीसीसीआई के तत्कालीन अध्यक्ष एनकेपी साल्वे पुरस्कार देना चाहते थे, लेकिन पैसों की कमी के चलते वह विवश थे। साल्वे ने इस गंभीर स्थिति से निकलने के लिए स्वर कोकिला लता मंगेशकर से मदद मांगी। भारतीय टीम की जीत के जश्न के लिए दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में लता मंगेशकर कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। यह कॉन्सर्ट काफी हिट रहा और इससे 20 लाख रुपए की कमाई हुई। बाद में भारतीय टीम के सभी सदस्यों को इनाम के तौर पर एक-एक लाख रुपए दिए गए।

रक्षा मंत्री की भावभीनी श्रद्धांजलि

भारत रत्न लता मंगेशकर के भारत के लिए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है और मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

आज एक युग का अंत हो गया : सोनिया

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मशहूर गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा, आज एक युग का अंत हो गया। लता जी हमेशा पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी।

बागपत में गरजे गृह मंत्री अमित शाह

विपक्ष पर बरसते हुए बोले: आने वाले दिनों में माफिया का बोलबाला चलेगा या कानून का राज ये आपको तय करना है

बागपत। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज उत्तर प्रदेश के बागपत में सम्राट पृथ्वीराज चौहान पीजी कॉलेज में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यूपी के चुनाव में लोग मंत्री और विधायक बनने की सोचते हैं। यह चुनाव यूपी का भविष्य तय करने वाला है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में माफिया राज चलेगा या फिर कानून का राज होगा यह आपको तय करना है। अमित शाह ने कहा कि रॉ शुगर इंपोर्ट करने वाली सरकार लानी है या भुगतान करने वाली ये आपको तय करना है। कहा कि मैं पहले भी यहां आया हूं। यूपी को बदलने का काम किया है। 3400 करोड़ के काम सांसद ने पांच साल में कराए हैं। गंगा एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न बुंदेलखंड हो या यूपी हरियाणा को जोड़ने वाला पुल हो। उन्होंने गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि भाई अखिलेश कान खोलकर सुन लो, 1 करोड़ 82 लाख घरों में बिजली नहीं थी। 2 करोड़ घरों में शौचालय की व्यवस्था नहीं थी। 82 लाख गरीबों को घर, 1 करोड़ 80 लाख बहनों को गैस सिलिंडर पीएम मोदी ने दिया। योगी आदित्यनाथ ने सभी योजनाओं को यहां भेजा। कहा कि बुआ-भतीजे की सरकार 15 साल चली, लेकिन गरीबों के घर मे कुछ नहीं आया। वैक्सीन का विरोध अखिलेश करते थे, लेकिन एक माह बाद गुपचुप लगवा लिया। यूपी में सबसे ज्यादा संख्या में टीका लगाया गया। अखिलेश की बात में आकर टीका न लगवाते तो तीसरी लहर में बच पाते क्या? केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी व योगी ने कोरोना में यूपी को सुरक्षित करने का काम किया। यूपी देश की सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था। आज यूपी दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था पर है। एक मौका भाजपा को दे दीजिए, पांच साल में पहले स्थान पर होगा। कहा कि कांग्रेस, सपा, बसपा की सरकार आईं, लेकिन बजट की बात नहीं करते। इत्र वाले दोस्त से दिक्कत होती है। अखिलेश कहते हैं रेड नही करनी चाहिए, लेकिन हम करते हैं। क्योंकि यह जनता का पैसा है। हमने यूपी को श्रेष्ठ बनाया है। हमारी सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। जो पीड़ित थे उन्हीं को आरोपी बनाया। आतंकवाद, आलिया, मालिया, जसमालिया सिर काटकर ले जाते थे, लेकीन कोई नहीं बोलते। मौनी बाबा की सरकार समझ रहे थे। दस दिन में सर्जिकल स्ट्राइक करके घर मे घुसकर आंतकवाद को खत्म किया। कश्मीर से 370 हटनी चाइये थी या नहीं, उसे हटाया गया। अखिलेश कहते थे कि खून की नदिया बहेंगी, लेकिन एक कंकर तक नही दिखी। वह माफिया को संगरक्षण देने के लिए चुनाव लड़ रहे है और हम गरीबों, जनता के लिए लड़ रहे है। 300 पर का संकल्प लें।

चुनावों को लेकर इलेक्शन कमीशन की नई गाइडलाइन

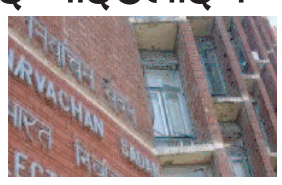

नई दिल्ली। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान रोड शो, पदयात्रा, साइकिल/बाइक या गाड़ियों की रैली और जुलूस निकालने पर पाबंदी जारी रहेगी। चुनाव आयोग ने रविवार को प्रेस नोटिस जारी करके इसकी जानकारी दी। हालांकि आयोग ने इनडोर हॉल में पब्लिक फिजिकल मीटिंग और आउटडोर मीटिंग्स के लिए कुछ रियायतें दी हैं। आयोग की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि कोरोना महामारी को देखते हुए गाइडलाइन का सख्ती से पालन जारी रहेगा। एउ की नई गाइडलाइन की अन्य अहम बातें...

- आउटडोर मीटिंग/इनडोर मीटिंग/रैली के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील इस शर्त के साथ दी जाएगी कि इनमें शामिल होने वाले व्यक्तियों की संख्या इंडोर हॉल की क्षमता के अधिकतम 50 प्रतिशत और खुले मैदान के 30 प्रतिशत तक सीमित होगी। - ओपन ग्राउंड रैलियां केवल जिला अधिकारियों की ओर से नामित मैदानों में आयोजित की जा सकती हैं और एसडीएमए की सभी शर्तों के पालन के अधीन होंगी।

राहुल गांधी का ऐलान, चरणजीत सिंह चन्नी होंगे पंजाब में कांग्रेस का सीएम चेहरा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना में एक रैली के दौरान पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा कर दी।राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब में मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ही कांग्रेस का सीएम चेहरा होंगे। राहुल ने कहा कि 'ये मेरा नहीं पंजाब के लोगों का फैसला है। राहुल गांधी ने कहा, चन्नी जी गरीब घर के बेटे हैं। गरीबी को समझते हैं। गरीबी से निकले हैं। और उनके दिल में, खून में पंजाब है। सिद्धू जी के दिल में, खून में पंजाब है। आप काट के

देखें कभी। खून निकलेगा और उसमें पंजाब दिखेगा। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को लुधियाना के हयात रीजेंसी में पंजाब के मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू, पीपीसीसी के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ बंद कमरे में बैठक की थी। बता दें कि पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। वहीं लुधियाना मे वर्चुअल रैली के दौरान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, मैंने राहुल गांधी के फैसले को स्वीकार कर लिया है..अगर मुझे निर्णय लेने की शक्ति दी गई, तो मै माफिया को खत्म कर दूंगा, लोगों के जीवन में सुधार करूंगा। सत्ता नहीं मिली तो आप जिसे भी सीएम बनाएं, उसके साथ मुस्कुराकर चलूंगा। बहुप्रतीक्षित घोषणा से पहले, राहुल गांधी और दो मुख्य दावेदारों - पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू को एक ही कार में यात्रा करते भी देखा गया था।

यूपी फतह करके 18 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे योगी आदित्यनाथ ? जानिए क्या है कहानी

लखनऊ। हर बार की तरह इस समय भी उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव रोचक होने वाला है। इस चुनाव में परिणाम सामने आते ही कई नेताओं के दावे हवाई तो साबित होंगे ही कई रिकॉर्ड भी ध्वस्त होंगे। इन्हीं रिकॉर्डों की सूची में एक नाम यूपी के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी जुड़ा है। अगर योगी आदित्यनाथ इस बार फिर यूपी की सत्ता हासिल करने में कामयाब रहते हैं तो 15 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे। वे 15 साल में सूबे के पहले सीएम होंगे अगर वे गोरखपुर से चुनाव जीतने में कामयाब हो जाते हैं। जानिए क्या है कहानी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए तमाम दल अंतिम चुनाव प्रचार में डटे हैं। राजनीतिक गणितज्ञों का अनुमान है कि मुकाबला भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच है। हालांकि ये देखने वाली बात होगी कि जनता का आशीर्वाद किसे मिलता है और कौन सत्ता पर काबिज होता है। यूपी का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल कह सकते हैं। यूपी के परिणाम आगे की तस्वीर साफ कर देगी। इसलिए सत्ताधारी भाजपा के लिए ये लड़ाई करो या मरो की है। उधर, सपा सत्ता हासिल करके एक बार फिर यूपी में वापसी को बेताब है। भाजपा ने यूपी चुनाव

2022 के रण में योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर सीट से मैदान में उतारा है। अगर योगी यहां चुनाव जीत जाते हैं और सत्ता हासिल कर लेते हैं तो वो 18 सालों में पहले विधायक होंगे जो सीएम बनेगा। 2017 में योगी आदित्यनाथ को भाजपा ने लोकसभा सांसद से सीएम की कुर्सी पर बैठाया था। उन्होंने उपचुनाव लड़ने के बजाय विधान परिषद सदस्य बनना चुना। उनसे पहले अखिलेश यादव और मायावती भी ऐसा ही कर चुके हैं। योगी आदित्यनाथ ने एक रिकॉर्ड पहले ही अपने नाम कर लिया है। पहली विधानसभा के गठन के बाद से अब तक यूपी ने लगभग 70 वर्षों में 21 सीएम देखे हैं, हालांकि इनमें से केवल तीन ने ही पांच साल का पूरा कार्यकाल पूरा किया है। इन तीन में से योगी भी एक हैं। बाकी दो बसपा सुप्रीमो मायावती (2007-2012) और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव (2012-2017) हैं।